www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, मंगलवार
3 नवम्बर 2026
वर्ष: 49
अंक: 173 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

चारधाम में हेली सेवाओं पर ब्रेक, केदारनाथ शटल जारी रहेगी

● 11 ऑपरेटरों के विरोध के बाद फैसला, अगले सीजन में शुरू होंगी चार्टर उड़ानें, रिफंड होंगे रुपए

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में चारधाम की चार्टर हेली सेवाओं पर पूरी तरह ब्रेक लग गया है। 11 हेलीकॉप्टर ऑपरेटरों के दो पायलट अनिवार्य करने के नियम के विरोध के बाद यह फैसला लिया गया है। सोमवार को उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण और



नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के बीच हुई बैठक में तय किया गया कि चार्टर हेली सेवाएं अब अगले सीजन में ही शुरू होंगी। हालांकि, केदारनाथ में शटल हेली सेवा जारी रहेगी। एजेंसी के सीईओ प्रतीक जैन ने बताया कि इस सीजन में चार्टर हेली सेवाओं की ज्यादा बुकिंग नहीं हुई थी। जिन यात्रियों ने बुकिंग कराई थी, उन्हें पूरा पैसा रिफंड किया जाएगा। केदारनाथ में सामान्य शटल हेली सेवाओं का संचालन जारी है। यहां एजेंसी ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल का कंट्रोल रूम बनाया है। यहां से मौसम और उड़ानों की पल-पल की जानकारी के आधार पर हेलीकॉप्टरों को उड़ान की अनुमति दी जा रही है। हालांकि, नए दिशा-निर्देशों का पालन नहीं होने के कारण लंबी दूरी की पर्सनल चार्टर सेवाएं बंद हैं। वहीं, गंगोत्री के कपाट 10 नवंबर, केदारनाथ और यमुनोत्री के 11 नवंबर, जबकि बद्रीनाथ के कपाट 16 नवंबर को बंद होंगे।

एएपी छोड़ने वाले तीनों विधायक बीजेपी में शामिल

● तीनों ने पिछले दो दिन में इस्तीफा दिया, बीजेपी के हुए

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के 3 विधायक भाजपा में शामिल हो गए हैं। इनमें अमृतसर नॉर्थ से कुंवर विजय प्रताप सिंह, समाना से चेतन सिंह जौड़ामाजरा और सनौर से हरमीत सिंह



पठानमाजरा शामिल हैं। बीजेपी जॉइन करने के बाद विधायक कुंवर ने कहा कि पंजाब में गैंगस्टर सरकार का हिस्सा बन गए हैं। फिरौती की इंडस्ट्री चल रही है। इन तीनों विधायकों ने पिछले 2 दिनों में एएपी से इस्तीफा दिया। रविवार को जौड़ामाजरा और पठानमाजरा के इस्तीफे के बाद सोमवार को कुंवर ने भी पार्टी छोड़ दी। कुंवर और पठानमाजरा ने विधानसभा की सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया है। कुंवर को जून 2025 में एएपी ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते 5 साल के लिए पार्टी से सस्पेंड कर दिया था।

आठ नए युद्धपोत से लैस होगी अपनी नौसेना

● 53,866 करोड़ रुपये होगा खर्च, रक्षा मंत्रालय ने किया करार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना की समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए देश में आठ अत्याधुनिक अगली पीढ़ी के कॉर्वेट युद्धपोत बनाए जाएंगे। रक्षा मंत्रालय ने इन युद्धपोतों के निर्माण और खरीद के लिए गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) के साथ कुल 53,866.50 करोड़ रुपए के करार किए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस करार को लेकर खुशी जाहिर की है। 2 नवंबर को नई दिल्ली के कर्तव्य भवन-2 में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में इन करारों पर हस्ताक्षर किए गए। इन अगली पीढ़ी के कॉर्वेट युद्धपोतों में आधुनिक मिसाइलों, हथियारों और सेंसर प्रणालियों से लैस अत्याधुनिक क्षमताएं होंगी। राजनाथ सिंह ने कहा कि इन जहाजों के निर्माण से अगले दस वर्षों में शिपयार्डों में लगभग 72 लाख पर्सन-डे और सहायक उद्योगों तथा कंपनी में 460 लाख पर्सन-डे के बराबर रोजगार पैदा होगा।



भारतीय नौसेना को मिली ताकत

इन युद्धपोत की मदद से नौसेना हवा, समुद्र की सतह और समुद्र के भीतर मौजूद खतरों से निपट सकेगी। इन युद्धपोतों के नौसेना में शामिल होने से उसकी अभियान क्षमता में बड़ा इजाफा होगा। ये समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा, दुश्मन के युद्धपोतों को निशाना बनाने और पनडुब्बियों का पता लगाकर उनसे मुकाबला करने जैसे महत्वपूर्ण अभियानों में भूमिका निभाएंगे। ये युद्धपोत तटीय सुरक्षा मजबूत करने, समुद्र के किनारे उथले इलाकों में सैन्य अभियान चलाने और समुद्री क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने में भी मदद करेंगे। इनकी तैनाती से भारतीय नौसेना की समुद्र में मौजूदगी और निगरानी क्षमता को मजबूती मिलेगी। प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के जरिए निर्माण कंपनियों का चयन किया गया है। यह पहली ऐसी परियोजना है, जिसमें भारतीय नौसेना के स्वदेशी डिजाइन पर आधारित युद्धपोतों का निर्माण रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा किया जाएगा।

कोलकाता स्थित जीआरएसई पांच युद्धपोतों का तैयार करेगी डिजाइन

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस परियोजना के तहत कोलकाता स्थित जीआरएसई पांच युद्धपोतों का निर्माण करेगा। वहीं गोवा शिपयार्ड लिमिटेड भारतीय नौसेना के लिए तीन युद्धपोत बनाएगा। खास बात यह है कि इन सभी युद्धपोतों का डिजाइन भारतीय नौसेना खुद तैयार करेगी। इनका निर्माण देश के रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम करेंगे। इस परियोजना का फायदा केवल नौसेना की युद्धक क्षमता तक सीमित नहीं रहेगा। इससे देश के स्वदेशी जहाज निर्माण उद्योग को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा। परियोजना में रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों के साथ निजी शिपयार्ड, भारतीय औद्योगिक साझेदारों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भी भागीदारी होगी।

राहुल गांधी के खेमे में असुरक्षा का माहौल

● कांग्रेस में प्रियंका गांधी को अलग-थलग करने की कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी ने दावा किया है कि कांग्रेस पार्टी में नेतृत्व को लेकर दरार आ गई है। बीजेपी ने दावा किया है कि प्रियंका गांधी के बढ़ते प्रभाव की वजह से राहुल गांधी खेमे में असुरक्षा दिख रही है और प्रियंका गांधी को पार्टी में अलग थलग



करने की कोशिश की जा रही है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को इंडिया ब्लॉक की आयोजित रैली में प्रियंका गांधी को बोलने का मौका नहीं दिया गया। शनिवार को आयोजित सांकेतिक संसद की कार्यवाही में भी प्रियंका गांधी को अलग थलग करने की कोशिश की गई। जारी वीडियो मैसेज में प्रदीप भंडारी ने कहा कि कांग्रेस दो शक्ति केंद्रों में बंट चुकी है।

रॉड से पीटकर चाचा–चाची को उतारा मौत के घाट

बागेश्वर। उत्तराखंड के बागेश्वर जनपद के गरुड़ विकासखंड में एक दिल दहला देने वाला दोहरा हत्याकांड सामने आया है। बैजनाथ कोतवाली क्षेत्र के नरगवाड़ी गांव में एक युवक ने कथित तौर पर अपने ही सगे चाचा और चाची की लोहे की रॉड से पीट–पीटकर हत्या कर दी। इस सनसनीखेज वारदात के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। घटना को अंजाम देने के बाद से आरोपी फरार बताया जा रहा है।

लोहे की रॉड से किया जानलेवा हमला

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नरगवाड़ी गांव में देर रात आरोपी युवक ने अपने चाचा और चाची पर लोहे की रॉड से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद परिजन आनन–फानन में दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बैजनाथ लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना के दौरान मौके पर मौजूद एक महिला ने किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाई। वारदात की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। एक ही परिवार के दो लोगों की हत्या से गांव में शोक और भय का माहौल बना हुआ है।

आरोपी की तलाश में पुलिस की चार टीमें गठित

दोहरी हत्या की सूचना मिलने के बाद पुलिस सक्रिय हो गई है। बैजनाथ कोतवाली प्रभारी कैलाश नेगी के अनुसार, आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की चार टीमें गठित की गई हैं। पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं और फरार आरोपी की तलाश में जुटी हैं।

गांव में दहशत, हत्या के कारणों की जांच

अपने ही सगे चाचा–चाची की हत्या की इस घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। फिलहाल हत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी की गिरफ्तारी के बाद घटना से जुड़े अन्य तथ्यों के सामने आने की उम्मीद है।

फिर ट्रेन से कटा युवक, भोपाल में पटरी पर मिली लाश

मां-पत्नी और 2 बच्चों की गला काटकर हत्या

पुलिस घर पहुंची तब खुला हत्याकांड, कर्ज में डूबा था

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के मालीखेड़ी में सोमवार को असिस्टेंट लोको पायलट के किराए के घर में एक ही परिवार के 4 लोगों की लाश मिली है। सभी के गले कटे हुए थे। वहीं, घर के बेटे की लाश रेलवे ट्रैक पर मिली है। शक है कि युवक ने पहले सभी की हत्या की, इसके बाद ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। छोला पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में परिवार के मुखिया पर कर्ज का दबाव था। घर में नरेंद्र की मां सरस्वती साहू (50), पत्नी सोमलता साहू (29), बेटी कृति साहू (10) और बेटे खुश



साहू (6) के शव मिले। सभी के सिर और गले पर चोट के निशान मिले हैं। एसीपी निशातपुरा शशांक जैन के मुताबिक, पुलिस को नरेंद्र के घर से निकलने का एक सीसीटीवी फुटेज मिला है। इसमें वह सुबह करीब 7.30 से 8 बजे के बीच घर से निकलता दिखाई दे रहा है। शक है कि सुबह-सुबह वारदात हुई है।

रेलवे ट्रैक पर युवक की लाश मिली, तब खुला मामला

परिवार के मुखिया नरेंद्र साहू (35) का शव सूखी सेवनिया थाना क्षेत्र के चोपड़ा कलां स्थित रेलवे ट्रैक पर मिला था। सोमवार सुबह परिवार के एक रिश्तेदार को नरेंद्र की मौत की सूचना मिली। वह परिजन को जानकारी देने मालीखेड़ी स्थित घर पहुंचा, लेकिन काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला। फोन पर भी किसी से संपर्क नहीं हो सका। इसके बाद रिश्तेदार ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दरवाजा खुलवाकर घर में प्रवेश किया तो अंदर चार लोगों के शव मिले।

संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत शामिल, आगामी कार्ययोजना पर होगा मंथन

इंदौर में आरएसएस की तीन दिनी बैठक का आगाज

● 408 पदाधिकारी संगठन विस्तार-सामाजिक अभियानों की समीक्षा करेंगे

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की तीन दिवसीय बैठक सोमवार को डेली कॉलेज में शुरूहो गई। बैठक में संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले और सभी छह सह सरकार्यवाह सहित देशभर के करीब 408 प्रमुख पदाधिकारी शामिल हैं। 4 नवंबर तक चलने वाली इस बैठक में संघ के शताब्दी वर्ष के दौरान हुए कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ संगठन विस्तार और आगामी कार्ययोजना पर मंथन होगा। संघ ने पिछले एक साल में देशभर में 13 हजार से अधिक नई दैनिक शाखाएं जुड़ने की जानकारी दी है। इसके साथ ही 65 हजार से ज्यादा हिंदू सम्मेलन आयोजित किए गए। बैठक में इन आयोजनों से मिले अनुभवों के आधार पर आगे की गतिविधियों की दिशा तय की जाएगी। अखिल



भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया कि बैठक में संघ के 11 क्षेत्र और 46 प्रांतों से संघचालक, सह संघचालक, कार्यवाह, सह कार्यवाह, प्रचारक और सह प्रचारक शामिल हुए हैं। अंतिम दिन विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी और आंकड़े साझा किए जाएंगे।

65 हजार से ज्यादा हिंदू सम्मेलन आयोजित

शताब्दी वर्ष के दौरान देशभर में 65 हजार 660 हिंदू सम्मेलनों का आयोजन किया गया। आंबेकर के मुताबिक, शहरों में बस्ती स्तर पर और ग्रामीण क्षेत्रों में आठ-दस गांवों को मिलाकर बनाए गए मंडल स्तर पर ये सम्मेलन हुए। कई जगह दो-तीन मंडलों को मिलाकर भी आयोजन किए गए। उन्होंने बताया कि इन सम्मेलनों में कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ा और समाज की ओर से समर्थन मिला। लोगों ने संघ की शाखाओं से जुड़ने की इच्छा जताई। सामाजिक संस्थाओं और संगठनों ने भी अपने कार्यक्रमों में स्वयंसेवकों के अनुभवों का सहयोग लेने की इच्छा व्यक्त की है। बैठक में इन सम्मेलनों से मिले अनुभवों और सामाजिक सहभागिता की समीक्षा होगी। शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी भी रही। अब इस अनुभव के आधार पर महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए नए कार्यक्रमों और उपक्रमों पर विचार किया जाएगा।

युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जागरुकता अभियान

संघ की पिछली दो-तीन बैठकों में नशीली दवाओं के बढ़ते चलन पर चिंता जताई गई है। इस बार भी यह विषय एजेंडे में शामिल रहेगा। आंबेकर ने कहा कि नशे की समस्या से निपटने के लिए सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर प्रयास जरूरी हैं। युवाओं को नशीली दवाओं से दूर रखने के लिए जागरुकता अभियान चलाने पर विचार होगा।

एमपी में शराब तस्करों ने टीआई को कुचला, मौत

● इंदौर-बैतूल हाईवे पर तस्करी रोकने गए थे टीआई दिलीप पुरी

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के देवास में अवैध शराब भरे वाहन (ट्रक) ने खातेगांव टीआई दिलीप पुरी को कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल पुरी को अस्पताल ले जाया गया। यहां करीब दो घंटे तक इलाज के बाद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका। पुरी रविवार रात करीब डेढ़ बजे अवैध शराब की तस्करी की सूचना पर कार्रवाई करने टीम के साथ इंदौर-बैतूल हाईवे पहुंचे थे। नेमावर पुलिस भी इसी ट्रक का पीछा कर रही थी। पुलिस टीम को ट्रक डिवाइडर के किनारे



खड़ा मिला। पुरी ने ट्रक ड्राइवर से बाहर आने को कहा तो वो ट्रक को डिवाइडर पर चढ़ाकर आगे बढ़ाने लगा। इस दौरान पिछला पहिए पुरी के ऊपर चढ़ गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टीआई पुरी की पत्नी को एसआई पद पर अनुकंपा नियुक्ति और परिवार को 1 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। वहीं, डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने कहा कि दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिए संकेत, जल्द मिलेगी अनुमति

बेंगलुरु-पुणे होगा देश का अगला बुलेट ट्रेन कॉरिडोर

बेंगलुरु (एजेंसी)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बेंगलुरु और मुंबई को जोड़ने वाली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस की पहली सेवा को हरी झंडी दिखाई। इसी के साथ, रेल मंत्री ने संकेत दिया कि प्रस्तावित बेंगलुरु-पुणे बुलेट ट्रेन कॉरिडोर अगली उच्च गति रेल परियोजनाओं में शामिल हो सकता है। अन्य बुलेट परियोजनाएं भी शुरू की जानी हैं। उन्होंने कहा,भविष्य में बुलेट ट्रेन से बेंगलुरु से चेन्नई पहुंचने में सिर्फ 73 मिनट लगेंगे–एक घंटा 13 मिनट। ये दोनों शहर एक शहर जैसे हो जाएंगे। रेल मंत्री वैष्णव ने रविवार को यह भी घोषणा की कि कर्नाटक के लिए अगली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन बेंगलुरु से चलेगी। यह उत्तर कर्नाटक के विभिन्न हिस्सों को हुब्बली की ओर जोड़ने के बाद पुणे और मुंबई जाएगी।



अगले कुछ हफ्तों में शुरू हो जाएगी वंदे भारत एक्सप्रेस

उन्होंने बताया कि बेंगलुरु-मंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस अगले कुछ हफ्तों में शुरू की जाएगी। इस मार्ग पर विद्युतीकरण और परीक्षण का काम पूरा हो चुका है। आठ मोटर कार और चार ट्रेलर कार कोच समेत 16 कोच वाली बेंगलुरु और मुंबई के बीच वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस की पहली सेवा को हरी झंडी दिखाने के बाद ट्रेन की उद्घाटन विशेष सेवा बेंगलुरु के सर एम विश्ववेश्वरैया टर्मिनल (एसएमवीटी) से रवाना हुई। यह सोमवार सुबह 6.15 बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) पहुंचेगी।

चार हजार किमी के बुलेट ट्रेन गलियारों को मंजूरी

वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने चार हजार किलोमीटर के बुलेट ट्रेन गलियारों को मंजूरी दी है। आने वाले वर्षों में 3,000 किलोमीटर के और बुलेट ट्रेन गलियारों की घोषणा होगी। बेंगलुरु-पुणे जैसे कई और गलियारे होंगे, जो पूरे कर्नाटक को जोड़ेंगे—बेंगलुरु से हुब्बली होते हुए पुणे तक। वह गलियारा भी शामिल होगा। प्रस्तावित दक्षिणी बुलेट ट्रेन कारिडोर को मंजूरी मिल चुकी है। यह बेंगलुरु, हैदराबाद, अमरावती व चेन्नई को जोड़ेगा और दक्षिण के प्रमुख आर्थिक व प्रौद्योगिकी केंद्रों को करीब लाएगा। रेल मंत्री ने कहा, दक्षिणी बुलेट ट्रेन कारिडोर दक्षिण भारत के राज्यों के लिए यह बड़ा गुणक साबित होगा। प्रस्तावित यात्रा समय का संकेत देते हुए वैष्णव ने कहा कि बेंगलुरु से चेन्नई की यात्रा में सिर्फ 73 मिनट, जबकि बेंगलुरु से हैदराबाद पहुंचने में दो घंटे 10 मिनट लगेंगे। बेंगलुरु-मंगलुरु वंदे भारत सेवा के बारे में मंत्री ने कहा कि जरूरी विद्युतीकरण और परीक्षण का काम पूरा हो चुका है और ट्रेन अगले कुछ हफ्तों में शुरू हो जाएगी।

राजस्थान में करंट लगने से आठ मजदूरों की मौत

● झुंझुनूं में सड़क बनाते समय मशीन हाईटेंशन लाइन की चपेट में आई

उदयपुरवाटी (एजेंसी)। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के छापोली गांव में सोमवार सुबह सड़क बना रहे 8 मजदूरों की करंट लगने से मौत हो गई। 5 अन्य मजदूर झुलस गए। हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ। उदयपुरवाटी के एसएचओ रामपाल ने बताया- सड़क पर काम कर रही रोड़ी-बजरी मिक्सर मशीन का हाइड्रोलिक जैक ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन के तार से छू गया। इससे मशीन में करंट फैल गया और वहां काम कर रहे मजदूर इसकी चपेट में आ गए। हादसे के बाद ग्रामीणों ने धरना शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार, छापोली में कदम कुंड की ओर जाने वाली सड़क का निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान रोड़ी मिलाने वाली मशीन 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन से टकरा गई। मशीन के बिजली लाइन की चपेट में आने से वहां काम कर रहे मजदूर करंट की चपेट में आ गए। इस हादसे में आठ मजदूरों की मौत हो गई। वहीं, पांच मजदूर गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।



संपादकीय

उत्तराखंड की सियासत में बदलते तेवर

उत्तराखंड की राजनीति एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है, जहां सत्ता और विपक्ष के बीच संघर्ष केवल राजनीतिक वर्चस्व का नहीं, बल्कि जनता के विश्वास को हासिल करने का भी है। कांग्रेस के लगातार आक्रामक होते तेवर, केंद्र सरकार के खिलाफ देश के विभिन्न हिस्सों में उठती विरोध की आवाजें और प्रदेश की ज्वलंत समस्याओं को लेकर बढ़ती जनचर्चा ने उत्तराखंड के राजनीतिक वातावरण को नई दिशा दी है। सवाल यह है कि क्या राष्ट्रीय स्तर पर दिखाई दे रहा असंतोष उत्तराखंड की राजनीति में भी कोई बड़ा बदलाव लाने की जमीन तैयार कर रहा है? कांग्रेस ने हाल के दिनों में अंकिता भंडारी प्रकरण, बेरोजगारी, महंगाई, पलायन, भर्ती व्यवस्था और सरकार की नीतियों को लेकर जिस तरह अपनी आवाज बुलंद की है, उससे यह स्पष्ट है कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में अपनी राजनीतिक सक्रियता बढ़ा रही है। गैरसैंण से लेकर देहरादून और राष्ट्रीय राजधानी तक उठाए जा रहे मुद्दे प्रदेश की राजनीति को राष्ट्रीय विमर्श से जोड़ने का प्रयास भी हैं। दूसरी ओर, केंद्र सरकार के खिलाफ विभिन्न वर्गों में दिखाई देने वाली नाराजगी को भी राजनीतिक दल अपने-अपने नजरिये से देख रहे हैं। लोकतंत्र में सरकार की नीतियों पर सवाल उठना अस्वाभाविक नहीं है, लेकिन उन सवालों का राजनीतिक प्रभाव तभी व्यापक होता है, जब वे आम आदमी के जीवन से जुड़ी वास्तविक समस्याओं को अभिव्यक्त करते हैं। उत्तराखंड में बेरोजगारी और पलायन ऐसे ही मुद्दे हैं। पहाड़ का युवा आज भी रोजगार के लिए अपने घर और गांव से दूर जाने को विवश है। सरकारी नौकरियों की सीमित संभावनाएं, निजी क्षेत्र में रोजगार के अभाव और शिक्षा के बाद भविष्य को लेकर बनी अनिश्चितता ने युवाओं की अपेक्षाओं को बढ़ाया है। महंगाई का असर मध्यम वर्ग और सामान्य परिवारों की आर्थिक स्थिति पर भी पड़ता है। ऐसे में केंद्र और राज्य सरकारों से जवाब मांगना जनता का लोकतांत्रिक अधिकार है। अंकिता भंडारी हत्याकांड ने उत्तराखंड की सामूहिक चेतना को जिस तरह प्रभावित किया है, यह प्रदेश की बेटी को न्याय दिलाने, महिलाओं की सुरक्षा और व्यवस्था की जवाबदेही से जुड़ा प्रश्न है। कांग्रेस सहित अन्य राजनीतिक और सामाजिक संगठनों द्वारा इस विषय को उठाया जाना स्वाभाविक है। हालांकि कांग्रेस के सामने भी कई सवाल खड़े हैं। विपक्ष में रहते हुए सरकार को घेरना आसान हो सकता है, लेकिन जनता का विश्वास जीतने के लिए केवल विरोध पर्याप्त नहीं है। प्रदेश की जनता यह जानना चाहती है कि यदि कांग्रेस को सत्ता का अवसर मिलता है तो वह रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, पलायन और आपदा प्रबंधन जैसे मुद्दों पर क्या अलग और प्रभावी व्यवस्था लागू करेगी। पार्टी को अपने संगठनात्मक मतभेदों से ऊपर उठकर एक स्पष्ट राजनीतिक और विकासात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना होगा। भाजपा के लिए भी मौजूदा परिस्थितियां आत्ममंथन का अवसर हैं। लगातार सत्ता में आने का राजनीतिक इतिहास अपनी जगह है, लेकिन जनता की अपेक्षाएं समय के साथ बदलती रहती हैं। सरकार को यह समझना होगा कि राष्ट्रीय उपलब्धियों का उल्लेख प्रदेश की स्थानीय समस्याओं का विकल्प नहीं बन सकता। उत्तराखंड की जनता को बेहतर सड़कें, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, रोजगार और सुरक्षित जीवन चाहिए। पहाड़ों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, जंगली जानवरों के बढ़ते हमले, आपदा की संवेदनशीलता और गांवों का खाली होना ऐसे प्रश्न हैं, जिन पर राजनीतिक दावों से अधिक धरातलीय परिणाम अपेक्षित हैं। उत्तराखंड का मतदाता राष्ट्रीय राजनीति से प्रभावित अवश्य होता है, लेकिन वह अपने क्षेत्र के विधायक, सरकार के कामकाज और स्थानीय समस्याओं के समाधान को भी परखता है। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की ओर बढ़ते उत्तराखंड में कांग्रेस को अपनी आक्रामकता के साथ विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत करना होगा, जबकि भाजपा को अपने शासन के कामकाज और जनता के प्रति जवाबदेही के आधार पर राजनीतिक विमर्श का सामना करना होगा। दोनों दलों के लिए यह जरूरी है कि वे प्रदेश के वास्तविक मुद्दों को चुनावी नारों तक सीमित न रखें। सत्ता की ताकत बहुमत से मिलती है, लेकिन उसकी स्थिरता जनविश्वास से तय होती है।उत्तराखंड को फिलहाल राजनीतिक शोर से अधिक ठोस जवाब, आरोपों से अधिक जवाबदेही और चुनावी वादों से अधिक धरातल पर दिखाई देने वाले बदलाव की आवश्यकता है।

लोकतंत्र बचाने की लड़ाई में सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने



सनत जैन

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में यह एक असाधारण राजनीतिक स्थिति है, जब सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही लोकतंत्र बचाने का नारा लेकर सड़कों पर उतर आए हैं। दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को इंडिया गठबंधन की वोट बचाओ, देश बचाओ रैली और इसके जवाब में भाजपा का देशव्यापी लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान इस बात का संकेत है। चुनावी प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक संघर्ष अब संसद की सीमाओं से बाहर निकलकर सड़कों तक पहुंच गया है। इंडिया गठबंधन की रैली की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसमें 21 विपक्षी दलों के नेताओं ने एक साथ मंच साझा किया। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राजद, वामपंथी दलों सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली एसआईआर के माध्यम से मतदाताओं के नाम काटने तथा चुनाव के दौरान कंप्यूटर की सहायता से भारी हेरफेर किए जाने के आरोप मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर लगाए गए और सवाल उठाए गए। इस आयोजन में राजनीतिक नेताओं के साथ सामाजिक संगठनों, नागरिक समाज के प्रतिनिधियों, युवाओं और उन मतदाताओं ने भी भागीदारी की, जिनके नाम मतदाता सूची से हटाए गये थे। 31 अक्टूबर को आयोजित प्रतीकात्मक जन संसद में भी विपक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ छह आरोपों के साथ प्रस्ताव पारित किया। विपक्ष की मांग है, ज्ञानेश कुमार को पद से हटाया जाये। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच हो। इस पूरे विवाद की जड़ एसआईआर यानी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़ी हुई है। इंडियन एक्सप्रेस की पड़ताल के अनुसार 30 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की प्रारूप मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक नाम हटाए गए। सबसे गंभीर बात यह है कि चुनाव आयोग के ही दो अन्य आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने कई बार आयोग के भीतर प्रक्रियाओं और फैसलों पर लिखित आपत्तियां दर्ज कराई थीं। अखबार की रिपोर्ट में ऐसी 14 आपत्तियों का उल्लेख है। इससे चुनाव आयोग की आंतरिक कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल खड़े हुए हैं। ज्ञानेश कुमार एक तरफा फैसला ले रहे थे।

राहुल गांधी ने रामलीला मैदान में अपने भाषण के दौरान ज्ञानेश कुमार और चुनावी प्रक्रिया को लेकर बेहद कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वोट चोरी में शामिल लोगों को जवाबदेह बनाया जाएगा। ममता बनर्जी ने भी बताया पश्चिम बंगाल का चुनाव किस तरह लूटा गया है, डकैती डाली गई है। रैली में वक्ताओं ने बड़े आक्रामक तरीके से चुनाव आयोग द्वारा की गई गडबड़ियों का उल्लेख किया। दूसरी ओर भाजपा ने विपक्ष के आंदोलन को अराजकता फैलाने की कोशिश बताते हुए देशभर में जवाबी कार्यक्रम आयोजित किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के समर्थन में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, अमित शाह और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने अलग-अलग राज्यों में पदयात्राओं और सभाओं के माध्यम से विपक्ष के ऊपर हमला किया है। यह भी सत्य है कि इस बार विपक्ष के साथ भारी भीड़ है, जनमानस का समर्थन प्राप्त है। उसके मुकाबले में भाजपा की पदयात्रा और रैली में वह भीड़ देखने को नहीं मिली जो होना चाहिए थी। यह राजनीतिक संघर्ष अब केवल राहुल गांधी और नरेंद्र मोदी अथवा कांग्रेस और भाजपा के बीच नहीं रह गया है। इसका सीधा संबंध देश की संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता से जुड़ गया है। चुनाव आयोग पर आरोप लगना और उन आरोपों का राजनीतिक रूप से जवाब देना, अलग बात है। आयोग की निष्पक्षता पर आम जनता और राजनीतिक दलों का भरोसा बना रहना अनिवार्य है। मामला सुप्रीम कोर्ट में भी लंबित है। आरोपों का अंतिम निर्णय तथ्यों, जांच और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर होगा। विपक्ष ज्ञानेश कुमार की स्थिति को लेकर जो दबाव बना रही है, सत्ता पक्ष के ऊपर उसका कोई असर नहीं पड़ रहा है। उल्टे सत्ता पक्ष द्वारा विपक्ष को घेरने की कोशिश की जा रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है, देश पहले से ही महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक सुस्ती, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच मे बढ़ता टकराव सरकार के विकास कार्यों एवं जरूरी मुद्दों पर समय पर निर्णय नहीं ले पाने के कारण सरकार की परेशानी दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। इसका असर अंतोगत्वा जनता पर ही पडना है। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की अपनी-अपनी भूमिका है। विपक्ष का काम सरकार से सवाल पूछना है। सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी उन सवालों का जवाब देना है। चुनाव आयोग को भी अपनी विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए पारदर्शिता के साथ प्रश्नों का जवाब देने के लिए सामने आना चाहिए। यदि विपक्ष के आरोप गलत हैं, तो तथ्यों के साथ चुनाव आयोग द्वारा उन्हें खारिज किया जाना चाहिए। यदि कहीं गड़बड़ी हुई है, तो उसकी निष्पक्ष जांच और उसमें सुधार होना चाहिए। चुनाव आयोग को अपनी कार्य प्रणाली इस तरीके से तैयार करनी होगी, जिसमें सभी राजनीतिक दलों को विश्वास हो। पिछले 7 दशकों में राजनीतिक दलों और चुनाव आयोग के बीच जो विश्वास बना था वह पूरी तरह से खत्म हो चुका है। लोकतंत्र किसी राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं है। वह 140 करोड़ देशवासियों का साझा अधिकार और विश्वास है। सवाल यह नहीं होना चाहिए, सड़क पर कौन जीता और कौन हारा, बल्कि यह होना चाहिए देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का भरोसा कैसे कायम रहे। यदि सत्ता और विपक्ष ने राजनीतिक अहंकार से ऊपर उठकर समाधान नहीं खोजा, तो इस टकराव का नुकसान अंततः देश और आम नागरिकों को ही उठाना पड़ेगा।

रामलीला मैदान से लोकतंत्र की हुंकार



कुमार कृष्णन

दिल्ली का रामलीला मैदान 1 नवंबर 2026 को एक बार फिर भारतीय राजनीति के केंद्र में था। इंडिया गठबंधन की महारैली केवल विपक्षी दलों का शक्ति प्रदर्शन नहीं थी, बल्कि मतदाता सूची, चुनावी पारदर्शिता, निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता और नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर उठे सवालों का राष्ट्रीय मंच भी थी। वोट बचाओ, देश बचाओ के नारे के साथ आयोजित इस रैली में उमड़ी भीड़ ने यह संकेत दिया कि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया से जुड़े विवाद को संसद और राजनीतिक बयानबाजी से आगे ले जाकर जनांदोलन का रूप देना चाहता है।

रैली में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, तेजस्वी यादव सहित विभिन्न राज्यों के नेताओं की मौजूदगी ने इसे व्यापक राजनीतिक स्वरूप दिया। अलग-अलग विचारधाराओं और क्षेत्रीय हितों वाले दलों का एक मंच पर आना अपने आप में महत्वपूर्ण था। इस आयोजन में बिहार कांग्रेस के नेताओं और पिछड़ा वर्ग विभाग के पदाधिकारियों की भागीदारी भी उल्लेखनीय रही।

रैली की प्रमुख तस्वीर राहुल गांधी की रही। भारी भीड़ के कारण पदयात्रा के बजाय वे खुले वाहन से रामलीला मैदान पहुंचे। उनके साथ प्रियंका गांधी और दूसरे विपक्षी नेता भी थे। सड़कों पर उमड़े कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच खुले वाहन से नेताओं का आगे बढ़ना जनसंपर्क और शक्ति प्रदर्शन का प्रतीक बना।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर कथित वोट चोरी के मुद्दे को लेकर तीखा हमला किया। उनका आरोप था कि मतदाता सूची में गड़बड़ियों के माध्यम से लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है। राहुल गांधी का कहना था कि यदि योग्य नागरिकों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाते हैं तो चुनाव की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े होंगे।

उनके भाषण का राजनीतिक संदेश स्पष्ट था। कांग्रेस इस मुद्दे को केवल निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि इसे संविधान, नागरिक अधिकार और सत्ता की जवाबदेही से जोड़ रही है। हालांकि विपक्ष के आरोपों को प्रमाणित तथ्य मानने के बजाय उनकी स्वतंत्र जांच और आयोग के जवाब के संदर्भ में देखना जरूरी है। इस महारैली का एक अलग और आकर्षक दृश्य पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव (राजेश रंजन) का तिरंगा मार्च रहा। वे हजारों साधु-संतों और समर्थकों के साथ रामलीला मैदान पहुंचे। हिमाचल भवन और कनॉट प्लेस से मिंटो ब्रिज होते हुए आगे बढ़े इस काफिले में साधु-संतों और कार्यकर्ताओं के हाथों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा था।

पप्पू यादव ने आंदोलन को लोकतंत्र, संविधान और आम नागरिकों के अधिकारों की रक्षा से जोड़ते हुए केंद्र सरकार और भाजपा पर तीखे राजनीतिक हमले किए। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई किसी एक राजनीतिक दल या व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था और आम लोगों के अधिकारों को बचाने के लिए है।

इस मार्च का महत्व केवल उसमें शामिल लोगों की संख्या में नहीं था। साधु-संतों की भागीदारी ने राजनीतिक विरोध को व्यापक सामाजिक स्वरूप देने का प्रयास किया। भारतीय राजनीति में धार्मिक-सामाजिक समूहों की सार्वजनिक भागीदारी का अपना इतिहास है। इस अवसर पर तिरंगा लेकर उनका मताधिकार और संविधान से जुड़े सवालों पर मार्च करना एक अलग संदेश दे रहा था। पप्पू यादव की इस पहल ने रैली में सामाजिक भागीदारी का एक नया पक्ष जोड़ा।

रामलीला मैदान की महारैली के संदर्भ में बिहार कांग्रेस की भागीदारी को विशेष महत्व देना चाहिए। बिहार की राजनीति में सामाजिक न्याय, पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व और राजनीतिक हिस्सेदारी हमेशा महत्वपूर्ण मुद्दे रहे हैं। ऐसे में बिहार प्रदेश कांग्रेस के ओबीसी विभाग के पदाधिकारियों की सक्रियता को केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम में भागीदारी के रूप में नहीं देखा जा सकता।

बिहार प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग की उपाध्यक्ष सोनी कुमारी, विभाग के अध्यक्ष अनुराग चंदन और मुंगेर जिला कांग्रेस कमेटी के ओबीसी प्रकोष्ठ अध्यक्ष राकेश कुमार मंडल की भूमिका इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। इन पदाधिकारियों के सामने चुनौती है कि राष्ट्रीय स्तर पर उठाए जा रहे लोकतांत्रिक अधिकारों और सामाजिक न्याय के सवालों को बिहार के गांवों, कस्बों और जिला मुख्यालयों तक पहुंचाएं।

सोनी कुमारी की भूमिका महिला प्रतिनिधित्व के सवाल से भी जुड़ती है। पिछड़े वर्ग की महिलाओं के सामने शिक्षा, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और राजनीतिक भागीदारी की अनेक चुनौतियां हैं। संगठन में महिलाओं की मौजूदगी तभी सार्थक होगी जब उन्हें निर्णय लेने और जनसंपर्क अभियान संचालित करने में वास्तविक भूमिका मिले। राजनीति में महिला प्रतिनिधित्व केवल पदों की संख्या नहीं, बल्कि नेतृत्व और अधिकार की भागीदारी भी है।

अनुराग चंदन के नेतृत्व में ओबीसी विभाग के सामने सामाजिक न्याय के मुद्दों को व्यापक राजनीतिक कार्यक्रम से जोड़ने की जिम्मेदारी है। जातीय जनगणना, आरक्षण, शिक्षा, रोजगार और आर्थिक अवसरों की समानता जैसे प्रश्नों पर संगठन को लगातार संवाद करना होगा। मतदाता सूची में किसी योग्य नागरिक का नाम छूटना भी सामाजिक न्याय से जुड़ा सवाल है, क्योंकि मताधिकार नागरिक की राजनीतिक पहचान और भागीदारी का आधार है।

मुंगेर जिला कांग्रेस कमेटी के ओबीसी प्रकोष्ठ अध्यक्ष राकेश कुमार मंडल की जिम्मेदारी भी इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय मंचों पर उठे सवालों को स्थानीय स्तर तक ले जाना जिला संगठनों का काम है। मतदाता सूची में नामों की जांच, नए मतदाताओं का पंजीकरण और नाम हटाए जाने से संबंधित शिकायतों में नागरिकों की सहायता जैसे कामों से ही यह अभियान व्यावहारिक रूप ले सकता है।

बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू के नेतृत्व में प्रदेश संगठन के सामने भी यही चुनौती है। संगठनात्मक विस्तार के साथ पिछड़े, अति पिछड़े, दलित, महिला और युवा वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। बिहार कांग्रेस को गठबंधन की राजनीति के साथ अपनी स्वतंत्र संगठनात्मक पहचान और जमीनी सक्रियता भी मजबूत करनी होगी।विभिन्न प्रदेशों की भागीदारी और विपक्षी एकता

रामलीला मैदान की रैली की विशेषता विभिन्न राज्यों से आए नेताओं और कार्यकर्ताओं की भागीदारी थी। उत्तर प्रदेश से अखिलेश यादव, पश्चिम बंगाल से ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी, बिहार से तेजस्वी यादव, झारखंड से हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन, जम्मू-कश्मीर से फारूक अब्दुल्ला तथा महबूबा मुफ्ती और दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों से आए नेताओं ने इस आयोजन को राष्ट्रीय स्वरूप दिया। वामपंथी दलों की मौजूदगी ने भी विपक्षी एकजुटता को व्यापक बनाया।

इस भागीदारी के पीछे अलग-अलग राज्यों की राजनीतिक परिस्थितियां हैं। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर तृणमूल कांग्रेस की आशंकाएं हैं। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने नाम हटाए जाने के सवाल उठाए हैं। बिहार में भी मतदाता अधिकार और चुनावी पारदर्शिता का मुद्दा राजनीतिक विमर्श का हिस्सा है। झारखंड सहित दूसरे राज्यों के नेताओं ने भी इस प्रश्न को लोकतांत्रिक अधिकारों से जोड़ा। अखिलेश यादव ने अपने भाषण में मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के मुद्दे को उठाया। तेजस्वी यादव ने इसे मतदाताओं के अधिकारों की लड़ाई बताया। ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। इस तरह अलग-अलग प्रदेशों की राजनीतिक चिंताएं एक साझा मंच पर सामने आईं।

गरीबी से मुक्तिः भारत में उम्मीद का नया उजाला



ललित गर्ग

विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में अत्यधिक निर्धनता की दर 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई। इसी अवधि में 4.20 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय निर्धनता सीमा के अंतर्गत आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत हो गया।



किसी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति का आकलन केवल उसकी आर्थिक विकास दर, सकल घरेलू उत्पाद, औद्योगिक विस्तार अथवा वैश्विक आर्थिक रैंकिंग से नहीं किया जा सकता। विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, निर्धनता का दायरा सिमटे, सामान्य नागरिक के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि का संचार हो, गरीबी का कलंक मिटे तथा आर्थिक अवसरों पर सबका समान अधिकार स्थापित हो। इस दृष्टि से भारत में गरीबी और निर्धनता के स्तर में आई उल्लेखनीय गिरावट एक ऐतिहासिक उपलब्धि और नए भारत के निर्माण का शुभ संकेत है। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट में भारत की इस प्रगति को वैश्विक स्तर पर गरीबी में आई सबसे तेज गिरावटों में से एक माना जाना इस उपलब्धि को और महत्वपूर्ण बनाता है। यह केवल आर्थिक आंकड़ों का परिवर्तन नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की कहानी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन की दिशा में किए गए प्रयासों का यह एक महत्वपूर्ण परिणाम है, एक शुभ एवं श्रेयस्कर भविष्य की आहट है।

विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में अत्यधिक निर्धनता की दर 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई। इसी अवधि में 4.20 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय निर्धनता सीमा के अंतर्गत आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत हो गया। इसका अर्थ है कि लगभग 49.6 करोड़ लोग गरीबी के दायरे से बाहर आए। वर्ष 2028 तक इस अनुपात के 12.1 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान भी व्यक्त किया गया है। ये आंकड़े भारत की आर्थिक और सामाजिक यात्रा में एक बड़े परिवर्तन के प्रमाण हैं। विशेष बात यह है कि भारत ने इतनी बड़ी आबादी, व्यापक सामाजिक विविधता और कोविड जैसी वैश्विक महामारी की चुनौतियों के बावजूद निर्धनता कम करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, यह मोदी सरकार की युगान्तरकारी जन-कल्याण योजनाओं एवं गरीबी उन्मूलन के संकल्पों का ही परिणाम है। इस परिवर्तन के पीछे केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि विकास को जनकल्याण से जोड़ने की नीति भी महत्वपूर्ण रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, हर घर जल, आयुष्मान भारत, मुद्रा योजना और मुफ्त खाद्यान्न वितरण जैसी योजनाओं ने निर्धन परिवारों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने का काम किया है। इन योजनाओं की विशेषता यह है कि इन्होंने गरीबी को केवल आय की कमी के रूप में नहीं देखा, बल्कि आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, भोजन और वित्तीय समावेशन जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से जोड़कर उसका समाधान करने का प्रयास किया है।

किसी निर्धन परिवार को पक्का मकान मिलना केवल आवास की उपलब्धता नहीं, बल्कि उसे संपत्ति, सुरक्षा और सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदान करना है। घर में बिजली, शौचालय और नल से जल की सुविधा उपलब्ध होना उसके जीवन की गुणवत्ता में बुनियादी परिवर्तन लाता है। जनधन खातों और आधार जैसी व्यवस्थाओं ने नागरिकों को वित्तीय एवं वैधानिक पहचान प्रदान की है। आयुष्मान भारत ने स्वास्थ्य संकट के समय गरीब परिवारों को आर्थिक सुरक्षा देने का आधार तैयार किया है। विश्व बैंक ने गरीबी में कमी के प्रमुख कारणों में उपभोग में वृद्धि, रोजगार के अवसरों का विस्तार, विशेषकर महिलाओं की रोजगार में बढ़ती भागीदारी और खाद्य सब्सिडी सहित सामाजिक कल्याणकारी हस्तांतरणों की भूमिका को रेखांकित किया है। वर्ष 2017 से 2023 के बीच रोजगार में लगभग 13.4 करोड़ लोगों की वृद्धि होना भी महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसमें ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती आर्थिक सक्रियता परिवारों की आय बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक आत्मनिर्भरता और निर्णय क्षमता को भी मजबूत करती है। ग्रामीण भारत में निर्धनता की तेज गिरावट ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच आर्थिक अंतर को भी कम करने में योगदान दिया है।

एक अन्य महत्वपूर्ण संकेतक गिनी सूचकांक है, जिसके माध्यम से आय अथवा उपभोग के वितरण में असमानता का आकलन किया जाता है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार भारत का उपभोग आधारित गिनी सूचकांक 23 तक पहुंचा है, जो अपेक्षाकृत कम असमानता का संकेत देता है। यह अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों की तुलना में भारत की बेहतर स्थिति को दर्शाता है। हालांकि यहां यह समझना आवश्यक है कि उपभोग आधारित गिनी सूचकांक समाज में संपत्ति, आय और अवसरों की समग्र असमानता का पूरा चित्र प्रस्तुत नहीं करता। इसलिए गरीबी में कमी को आर्थिक समानता की पूर्ण उपलब्धि मान लेना उचित नहीं होगा। यही वह बिंदु है, जहां भारत की विकास यात्रा का आलोचनात्मक मूल्यांकन आवश्यक हो जाता है। एक ओर करोड़ों लोग गरीबी से बाहर निकल रहे हैं, दूसरी ओर समाज में संपत्ति और आर्थिक संसाधनों का संकेंद्रण एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। उच्च आय वर्ग और सामान्य मेहनतकश नागरिक के बीच जीवन की सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अवसरों का अंतर अभी भी व्यापक है। गुणवत्तापूर्ण रोजगार की कमी, असंगठित क्षेत्र में काम करने वालों की असुरक्षा, युवाओं में बेरोजगारी, कृषि पर निर्भर परिवारों की सीमित आय और महिलाओं को समान पारिश्रमिक न मिलना ऐसे प्रश्न हैं, जिनका समाधान किए बिना समतामूलक समाज की कल्पना अधूरी रहेगी। गरीबी का कम होना और अमीरी-गरीबी के बीच की खाई का कम होना दो अलग-अलग स्थितियां हैं। पहली उपलब्धि उत्साह देती है, लेकिन दूसरी चुनौती पर निरंतर ध्यान देना आवश्यक है।

भारत को अब ऐसी विकास नीति की आवश्यकता है, जिसमें आर्थिक प्रगति का लाभ केवल कुछ क्षेत्रों, वर्गों अथवा उद्योगों तक सीमित न रहे। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, कौशल विकास, छोटे उद्यमों को प्रोत्साहन, कृषि का आधुनिकीकरण, श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा और महिलाओं के लिए सम्मानजनक रोजगार के अवसर इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। कर व्यवस्था में न्यायपूर्ण संतुलन, ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में निवेश और सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं की पारदर्शिता भी आवश्यक है। विकास का वास्तविक उद्देश्य अवसरों की समानता पैदा करना होना चाहिए, न कि केवल आर्थिक आंकड़ों में ऊंचाई हासिल करना। भारत आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में गरीबी में कमी की यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब आर्थिक शक्ति के साथ सामाजिक न्याय, मानवीय गरिमा और अवसरों की समानता भी सुनिश्चित हो। गरीबी-मुक्त भारत का सपना केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि रोजगार, उद्यमिता, शिक्षा, सामाजिक सहभागिता और न्यायपूर्ण आर्थिक व्यवस्था के समन्वय से साकार होगा। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट भारत में गरीबी से मुक्ति की ओर बढ़ते कदमों और करोड़ों जीवन में फैलती खुशहाली की ऐसी उजली तस्वीर प्रस्तुत करती है, मानो दीपावली के पर्व पर विकास के दीप जल उठे हों। यह केवल आंकड़ों की रोशनी नहीं, बल्कि उन करोड़ों परिवारों के जीवन में उम्मीद, आत्मविश्वास और सम्मान का उजाला है, जो अभावों के अंधकार से निकलकर समृद्धि की ओर बढ़ रहे हैं। सचमुच, इस बार दीपावली के दीपों में नए भारत की प्रगति और गरीबों के जीवन में आए उजास की चमक भी दिखाई दे रही है।

निस्संदेह, गरीबी के मोर्चे पर भारत की यह सफलता नए भारत, समृद्ध भारत और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत आधारशिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में करोड़ों लोगों को निर्धनता के दायरे से बाहर लाना एक उल्लेखनीय स्थान रखता है। लेकिन इस उपलब्धि का अगला चरण आर्थिक असमानता की खाइयों को पाटना और विकास की रोशनी को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना होना चाहिए। विकसित भारत की पहचान केवल उसकी आर्थिक समृद्धि से नहीं, बल्कि इस बात से होगी कि वहां कोई व्यक्ति अभाव, भुखमरी, अशिक्षा और असहायता में जीवन जीने को विवश न हो। 2047 का भारत तभी वास्तविक अर्थों में विकसित और समृद्ध होगा, जब उसकी प्रगति का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचेगा और आर्थिक समृद्धि के साथ सामाजिक समरसता एवं समानता भी उसकी पहचान बनेगी। यही नए भारत का स्वप्न है और यही उसकी विकास यात्रा की सबसे बड़ी कसौटी भी।

शहर की सड़कों पर लगातार बढ़ रही गोवंशों की संख्या

लगातार हादसों के बाद भी आंखें मूंदकर बैठा है सिस्टम



कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत ग्रास्टनगंज पुल पर बैठे निराश्रित गोवंश।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर की सड़कों पर घूम रहे गोवंश अब राहगीरों की जान पर भी खतरा बनने लगे हैं। आए दिन गोवंश राहगीरों पर हमला कर उन्हें घायल कर रहे हैं। यही नहीं कुछ माह पूर्व जौनपुर क्षेत्र में गोवंश के हमले में घायल एक व्यक्ति की मौत तक हो गई थी। वहीं, बालासौड़ क्षेत्र में भी एक गोवंश ने बुजुर्ग को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। चौंकाने वाली बात तो यह है कि लगातार हादसों के बाद भी सरकारी सिस्टम समस्या को लेकर लापरवाह बना हुआ है।

समय-समय पर नगर निगम निराश्रित गोवंश संरक्षण के लिए अभियान चलाने के दावे करता रहता है। लेकिन, हकीकत यह है कि सड़क पर लगातार निराश्रित गोवंश की संख्या बढ़ती जा रही है। जगह-जगह गोवंश सड़क पर बैठे रहते हैं, जिस कारण जाम की स्थिति बनी रहती है। साथ ही राहगीरों को दुर्घटनाओं का भी खतरा बना रहता है। गलियों में घूमने वाले गोवंशों के कारण बुजुर्ग व बच्चों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। शाम के समय नदी के ऊपर बने पुलों में गोवंश का झुंड बैठा हुआ आसानी से देखा जा सकता है। गोवंश रात के समय काश्तकारों के खेतों में घुस कर फसल को भी चट कर रहे हैं, जिससे काश्तकारों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

अब तक हुए हादसे

कुछ माह पूर्व जौनपुर में अपने घर के बाहर खड़े एक व्यक्ति पर गोवंश ने हमला कर दिया था। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को बेस अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन, कुछ दिन बात ही उपचार के दौरान व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, कुछ सप्ताह पूर्व ही गोवंश ने बालसौड़ मुख्य मार्ग पर जा रहे व्यक्ति पर पीछे से हमला कर दिया था। कुछ माह पूर्व काशीरामपुर तल्ला में भी गोवंश ने एक व्यक्ति पर हमला कर दिया था। बेस अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद व्यक्ति को हायर सेंटर रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी भी मौत हो गई थी। पटेल मार्ग में सब्जी खरीद रही महिला पर गोवंश ने हमला कर दिया था। महिला को उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया।

सुध नहीं ले रहे पशुपालक

नगर की सड़कों पर घूमने वाला अधिकांश गोवंश वह हैं, जिसे पशुपालक जानबूझकर सड़कों में छोड़ देते हैं। इनमें से कई ऐसे भी गोवंश होते हैं, जो निष्प्रयोज्य होते हैं। पशुपालन विभाग हो अथवा नगर निगम, आज तक शायद ही किसी पशुपालक के खिलाफ कार्यवाही की गई हो। सबसे बुरी स्थिति भाबर व सनेह क्षेत्र में बनी रहती है। रात के अंधेरे में सड़कों पर बैठे यह गोवंश नजर नहीं आते। जिससे हादसों का अधिक अंदेशा बना रहता है।

शहर में बढ़ रहे गोवंश से निजात के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए पशुपालकों से भी अपने पशुओं को सड़क पर न छोड़ने की अपील की जा रही है।

शैलेंद्र सिंह रावत, महापौर, कोटद्वार

पौड़ी की हैंडबॉल टीम रही तीसरे स्थान पर



जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जनपद पौड़ी गढ़वाल की हैंडबॉल टीम ने हरिद्वार में आयोजित सीनियर बालिका हैंडबॉल प्रतियोगिता में चमोली को हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में देहरादून की टीम प्रथम और ऊधमसिंह नगर की टीम द्वितीय स्थान पर रही। हैंडबॉल एसोसिएशन के सचिव यशदीप सिंह ने बताया कि पौड़ी जिले की टीम ने हरिद्वार गुरुकुल कांगड़ी में आयोजित सीनियर बालिका हैंडबॉल प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक हुई। प्रतियोगिता में पौड़ी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चमोली की टीम को 14-4 से हराकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। टीम के कोच व एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष रमनदीप सिंह ने बताया कि जिले की बालिका टीम पिछले कुछ समय से लगातार मेहनत कर रही है और प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर रही है। टीम के कोच एवं एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष रमनदीप सिंह ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर खुशी जताई। टीम में अंशिका, रिया, रितु, जिया, ईशिता, प्रियंका, आवृत्ति, अनन्या, आरोही, राधिका, अपराजिता, प्रियांशी आदि शामिल थी।

खेलों से होता है बच्चों का मानसिक एवं शारीरिक विकास

एसजीआरआर लालपानी में शुरू हुई शरदकालीन क्रीड़ा प्रतियोगिताएं



एसजीआरआर लालपानी में खेल प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर छात्राएं सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देती हुई।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सनेह क्षेत्र के अंतर्गत श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल लालपानी में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ शरदकालीन क्रीड़ा प्रतियोगिताएं शुरू हो गई है। सीनियर वर्ग क्रिकेट मैच में भाभा हाउस और आर्यभट्ट हाउस की टीम फाइनल में पहुंची।

सोमवार को खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रधानाचार्य डॉ. गिरीश उनियाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात छात्राओं ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने गढ़वाली, पंजाबी, कुमाऊंनी गीतों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस मौके पर सभी छात्र-छात्राओं को खेल प्रतिज्ञा दिलवाई गई।

प्रधानाचार्य ने मार्च पास्ट की सलामी ली। प्रधानाचार्य ने कहा कि छात्रों के उज्ज्वल भविष्य और सर्वांगीण विकास में खेलों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं, बल्कि ये अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का निर्माण करते हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास के लिए प्रतियोगिता का आयोजन बहुत आवश्यक है। खेल से बच्चे स्वस्थ बनते हैं, और स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है। खेल से ही आपसी सौहार्द व भाईचारा की भावना जागृत होती है। इस मौके पर प्राइमरी वर्ग की 100 मीटर दौड़ आयोजित की गई। जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षकाएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सड़क की गुणवत्ता पर उठे सवाल, उखड़ने लगा डामर

श्रीनगर गढ़वाल : डांग-ऐठाणा सड़क पर एक सप्ताह पूर्व किया गया पैंटिंग कार्य उखड़ने लगा है। ऐसे में सड़क की गुणवत्ता और जल निकासी व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों में निर्माण कार्य में गुणवत्ता न होने पर नाराजगी है। करीब दो किमी. लंबी डांग-ऐठाणा सड़क पर लोनिवि द्वारा एक सप्ताह पूर्व पैंटिंग कार्य कराया गया था। लंबे समय से सड़क पर बने गड्ढों से परेशान लोगों को पैंटिंग के बाद राहत मिली थी, लेकिन दो-तीन दिन पूर्व हुई बारिश ने सड़क की स्थिति फिर बिगाड़नी शुरू कर दी। नाली के अभाव में बारिश का पानी सड़क पर बहने से कुछ स्थानों पर नया डामर उखड़ने लगा है। लोनिवि के अधिशासी अभियंता किशोर कुमार ने बताया कि संबंधित ठेकेदार को क्षतिग्रस्त स्थलों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। शीघ्र ही सड़क की मरम्मत कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बारिश के पानी की निकासी के लिए सड़क किनारे नाली का निर्माण भी कराया जाएगा।

आईडीबीआई बैंक के निजीकरण के विरोध में कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया (आईडीबीआई) बैंक इंप्लाइज एवं बैंक ऑफिसर्स यूनियन के केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर सोमवार से दो दिवसीय राष्ट्रव्यापी भूख हड़ताल शुरू हो गई। कोटद्वार शाखा के कर्मचारियों और अधिकारियों ने बैंक परिसर में प्रदर्शन कर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कर्मचारियों ने बैंक को विदेशी कंपनी के हाथों बेचने के फैसले का विरोध किया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर विचार नहीं किया तो संगठन अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने को बाध्य होगा।

सोमवार को सभी अधिकारी और कर्मचारी देवी रोड में बैंक के सामने एकत्र हुए और सरकार के फैसले के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि आईडीबीआई बैंक की देशभर में 2200 शाखाएं हैं, जिनमें करीब 20 हजार अधिकारी और कर्मचारी कार्यरत हैं।

बैंक ने चालू वित्तीय वर्ष में 9,250 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया है। इसके बावजूद केंद्र सरकार बैंक को कनाडा की कंपनी फेयर फैक्स को 53 हजार करोड़ में बेचने पर तुली है। कर्मचारियों ने प्रस्तावित बिक्री सौदे पर रोक लगाने, बैंक में केंद्र सरकार की न्यूनतम 51 प्रतिशत हिस्सेदारी बनाएं रखने, जमाकर्ताओं को संप्रभु गारंटी देने, कर्मचारियों की सेवा शर्तों, पेंशन और रोजगार की सुरक्षा का लिखित आश्वासन देने की मांग की। प्रदर्शन करने वालों में शाखा प्रबंधक संदीप पांडे, उत्तरांचल बैंक इम्पलाइज यूनियन के प्रांतीय सहायक महामंत्री बीरेंद्र रावत, इंद्रेश यादव, मनोज कुमार, स्वीटी, राहुल रावत आदि शामिल रहे।

वाहन की टक्कर में दो गोवंश गंभीर घायल, चालक फरार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भाबर क्षेत्र में तेज रफ्तार पिकअप वाहन की टक्कर लगने से दो गोवंश गंभीर रूप से घायल हो गए। चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने वाहन को कब्जे में ले लिया। घटना से आक्रोशित पशु प्रेमियों ने बताया कि क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों के कारण आए दिन घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों पर अंकुश लगाने, नियमित चेकिंग अभियान चलाने और लापरवाही से वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग उठाई है। साथ ही सड़कों पर घूम रहे गोवंश की सुरक्षा के लिए कोटद्वार नगर निगम से प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। संकल्प फाउंडेशन के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह रावत, पशु प्रेमी देशबंधु गढ़वाली, आकांक्षा रावत ने बताया कि रविवार देर शाम जशोधरपुर से कोटद्वार की ओर जा रहे तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने हल्दूखाता और मोटाढाक में दो गोवंशों को टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। चालक सिम्मलचौड़ में वाहन छोड़कर फरार हो गया। वहीं, सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस वाहन की तलाश में जुट गई। इस दौरान पिकअप वाहन सिम्मलचौड़ में खड़ा मिला, जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया। वहीं कलालघाटी पुलिस चौकी प्रभारी राजाराम डोभाल ने बताया कि गोवंश को टक्कर मारने वाले वाहन को कब्जे में ले लिया गया है।

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान असिस्टेंट कलेक्टर, प्र0 श्रे0, कोटद्वार, गढ़वाल।
राज0 वाद सं0 26 वर्ष 2026
रोशन सिंह बनाम चन्दन सिंह आदि।
अं0 धारा 229-बी UPZA & LR ACT

समन बनाम – चन्दन सिंह व कमल सिंह पुत्रगण विशना निवासीगण ग्राम जीवानन्दपुर, पट्टी मोटाढ़ाक, तहसील कोटद्वार, गढ़वाल दूसरा पता- ग्राम शिवराजपुर, पट्टी मोटाढ़ाक, तहसील कोटद्वार, गढ़वाल, चन्द्रशेखर पुत्र धर्मानन्द, शीला देवी पत्नी स्व0 सत्येन्द्र कुमार, देवेन्द्र कुमार पुत्र चन्द्रप्रकाश, वीरेन्द्र कुमार पुत्र चन्द्रप्रकाश, सरिता सेठी पत्नी सुरेश, सेठीयोगेन्द्र प्रसाद पुत्र लम्बोदर प्रसाद, देवानन्द पुत्र भोलादत्त, सदानन्द पुत्र भोलादत्त, सविता पत्नी योगेश, महानन्द पुत्र भोलादत्त, रिखुली देवी पत्नी वासवानन्द, भुवनचन्द्र पुत्र वासवानन्द, ललितमोहन पुत्र जीतराम, मोहनलाल पुत्र तुलसीराम, भावानसिंह पुत्र हरकसिंह, गोविन्दसिंह पुत्र हरकसिंह, खुशालसिंह पुत्र हरकसिंह, बागसिंह पुत्र लक्ष्मणसिंह, राजेन्द्रसिंह पुत्र जगदीशसिंह, सुरेन्द्रसिंह पुत्र चंद्रसिंग, चन्द्रशेखर पुत्र सुरेन्द्रसिंह, संजयसिंह पुत्र सुरेन्द्रसिंह, आशादेवी पत्नी विक्रमसिंह, गौरव पुत्र ठाकुरसिंग, भवानसिंह पुत्र हरलसिंह, गोविन्दसिंह पुत्र हरलसिंह, खुशालसिंह पुत्र हरलसिंह, बागसिंह पुत्र लक्ष्मणसिंह, कृष्णलाल पाट्नर अपना घर आवास / लक्ष्मण सिंह, वित्तीय संस्थान / मुकन्दीलाल, भावना पत्नी सुधीर कुमार, अमित कुमार पुत्र सतीश, अभिषेक पुत्र प्रदीप कुमार, सुलोचना देवी पत्नी भगवती प्रसाद, राजकमल पुत्र राजदीप, विजय कुमार पुत्र हरिकृष्ण पाटनर कलोजनाइजर, चन्द्रसिंह पुत्र शंकरसिंह, मंजूलता पत्नी घनश्याम पाटनर कलोजनाइजर, सन्तोषी देवी पत्नी सदानन्द, सुदेश सिंह पुत्र दिलवर सिंह, चम्पा देवी पत्नी हरेन्द्र सिंह, रंजना पत्नी रविकुमार, रविकुमार पुत्र राजपाल, कृष्ण कुमार पुत्र प्रहलाद, रघुवीर सिंह पुत्र कीरत सिंह, शकुन्तला देवी पत्नी अमर सिंह, कान्ता प्रसाद पुत्र धर्मानंद, अमित पुत्र कलिका प्रसाद, भुवनचन्द्र पुत्र शशिप्रसाद, पृथ्वीशरण पुत्र जोगेश्वर प्रसाद, धीरज सिंह पुत्र रघुवीर सिंह, सोहन सिंह पुत्र कृपाल सिंह, रामपाल सिंह पुत्र कुंवर सिंह, गोविन्द सिंह पुत्र जीत सिंह, गिरीशचन्द्र पुत्र घनश्याम, राजेसिंह उर्फ राजेन्द्रसिंह पुत्र प्रताप सिंह, दलीप सिंह पुत्र पूरण सिंह, जयपाल सिंह पुत्र चन्द्र सिंह, पंचम सिंह पुत्र चन्द्र सिंह, गुंडी सिंह उर्फ उम्मेदसिंह पुत्र बूधी सिंह, नरेन्द्र सिंह पुत्र मेहरमान सिंह, देवेश्वरी देवी पत्नी सुरेन्द्रसिंह, सन्तोष पुत्र सदानन्द, सुनील कुमार पुत्र सुरेश चन्द्र, आशा देवी पत्नी विक्रम सिंह, गौरव पुत्र ठाकुर सिंह, रजनी पत्नी जसपाल सिंह, अंशु पत्नी राकेश, प्रियंका पत्नी ठाकुर सिंह, अनिल कुमार पुत्र तेजराम, जगदीश सिंह पुत्र श्याम सिंह, सुरेश कुमार पुत्र विजय सिंह, जशवीर सिंह पुत्र आलम सिंह, नीलम पत्नी राधाकृष्ण, अर्जुन सिंह पुत्र पूरण सिंह, नीतू देवी पत्नी रघुवीर सिंह, सुल्तान सिंह पुत्र गुलाब सिंह, भारत सिंह पुत्र कल्याण सिंह, हेमलता पत्नी मनोज कुमार, सुशीला देवी पत्नी प्रताप सिंह, धन सिंह पुत्र प्रताप सिंह, राजेश पुत्र प्रताप सिंह, राकेश पुत्र प्रताप सिंह, सुरेन्द्र सिंह पुत्र गोबिंद सिंह, विशनादेवी पत्नी रामदत्त, गोपाल सिंह पुत्र हयात सिंह, पंचम सिंह पुत्र चन्द्रसिंह, राजेंद्र सिंह पुत्र जगदीश सिंह, सुरेन्द्र सिंह पुत्र चन्द्रसिंह, चन्द्रशेखर पुत्र सुरेन्द्र सिंह, संजय सिंह पुत्र सुरेन्द्र सिंह, आशीष पुत्र गोपालदत्त, धर्मानन्द पुत्र प्यारेलाल, कृष्ण कुमार पुत्र प्रहलादराय, रामलाल पुत्र वेदप्रकाश, सुरेश पुत्र राजा, वीनादेवी पत्नी शिवप्रसाद, पूरणचन्द्र पुत्र रामप्रसाद, कालिकाप्रसाद पुत्र अनुसुयाप्रसाद, शैलादेवी पत्नी शम्भूप्रसाद, जयपालसिंह पुत्र श्याम सिंह, शिवप्रसाद पुत्र भैरवदत्त, रमादेवी पत्नी सुरेशचन्द्र, श्याम सिंह पुत्र भैरव सिंह, रेवत सिंह पुत्र चन्दन सिंह, सुमन पत्नी संदीप, सुनीता पत्नी राकेश कुमार, ओमप्रकाश पुत्र उदयीराम, ऋषिकुमार पुत्र प्यारेलाल, राजेंद्र सिंह पुत्र भूपाल सिंह, सुरमान सिंह पुत्र राजेंद्र सिंह, राजबाला पत्नी द्वारिकाप्रसाद, अरविन्द पुत्र विश्वनाथ, ममता पुत्र आशुतोष कुमार, गिरीशचन्द्र पुत्र अमरीचन्द्र, रेखारानी पत्नी राजकुमार, यशपाल सिंह पुत्र शेखर सिंह, रजनी देवी पत्नी प्रमोद कुमार, इन्द्रमोहन पुत्र सुरेन्द्र सिंह, तेजपाल सिंह पुत्र मनवर सिंह, अजय कुमार पुत्र मोहन सिंह, पवन कुमार पुत्र राम सिंह, सुमित्रा पत्नी गोविन्द सिंह, विमलचन्द्र पुत्र रमेशचन्द्र, सुरेश सिंह पुत्र भागचन्द्र सिंह, कविता पत्नी हरिप्रसाद, नीलम पत्नी यशपाल, सविता पत्नी योगेश कुमार, लक्ष्मी पत्नी बालम सिंह, गुड्डी देवी पत्नी दिनेश सिंह, सुमित्रा पत्नी युद्धवीर सिंह, मुरलीधर पुत्र महिमानन्द, विजयपाल सिंह पुत्र बी0एस0 रावत, हेमन्त कुमार पुत्र वचन सिंह, देवानन्द पुत्र भोलादत्त, कु0 नेहा पुत्री दीपक, हर्ष पुत्र दीपक, जगवीर सिंह पुत्र वचन सिंह, दाताराम पुत्र बैजराम, रणवीर सिंह पुत्र वचन सिंह, चतुर्भुजभानुप्रकाश पुत्र अमरदेव, हेमा देवी पत्नी योगम्बर सिंह, सन्तन सिंह पुत्र भरोषा सिंह, शान्ति देवी पत्नी त्रिमूर्ति सिंह, अर्जुन सिंह पुत्र बलवन्त सिंह, अरविन्द सिंह पुत्र विक्रम सिंह, दामोदर पुत्र ज्वालदत्त, सूरजमणी पुत्र अमरदेव, सुशील कुमार पुत्र मायाराम, ताजवर सिंह पुत्र मनवर सिंह, बालम सिंह पुत्र मोहन सिंह, कुलदीप सिंह पुत्र गोविन्द सिंह, नईम अहमद पुत्र शमशीर अहमद, उस्मान पुत्र शमशीर अहमद, पदमादेवी पत्नी धर्मसिंह, कमलादेवी पत्नी सोहन सिंह, बबली देवी/ विनय पुत्रियाँ हिरूलीदेवी, कृष्णलाल फूलचन्द्रलाल, मंजूदेवी पत्नी के0के0 अग्रवाल, संजयकुमार पुत्र एस0एस0 नेगी, उषादेवी पत्नी वीर सिंह, संदीपकुमार पुत्र प्रेमसिंह, जयदेवप्रसाद पुत्र मोहनलाल, जीतेन्द्र सिंह पुत्र जोत सिंह, मनवर सिंह पुत्र गजे सिंह, सुखवीर सिंह पुत्र भगत सिंह, दिगम्बरसिंह पुत्र रामसिंह, गुंजन पुत्री श्रीपाल सिंह नेगी- समस्त निवासीगण ग्राम जीवानन्दपुर, पट्टी मोटाढ़ाक, तहसील कोटद्वार, गढ़वाल उत्तराखंड - एवं- सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय पौड़ी, जनपद पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखंड -एवं- नगर निगम कोटद्वार द्वारा नगर आयुक्त महोदय, नगर निगम कोटद्वार जनपद पौड़ी, गढ़वाल, उत्तराखंड।

चूँकि वादी ने ग्राम जीवानन्दपुर, पट्टी मोटाढ़ाक, तहसील कोटद्वार के खतौनी खाता सं0 5, वर्तमान खाता सं0 05 मध्ये 0.032 हेक्टेयर भूमिधरी भूमि पर प्रतिवादी सं0 1 चन्दन सिंह पुत्र विशना व प्रतिवादी सं0 2 कमल सिंह पुत्र विशना के विरुद्ध एक घोषणात्मक वाद अं0 धारा 229 (B) UPZA&LR ACT,1950 मेरे न्यायालय में योजित किया है। अतः उपरोक्त आप सभी को आदेशित किया जाता है कि यदि आप में से किसी भी खातेदार या अन्य किसी को इस वाद में आपत्ति हो तो वह मेरे न्यायालय उपरोक्त में अपनी आपत्ति दिनांक 27-11-2026 को असालतन या वकालतन प्रस्तुत करे अन्यथा वाद में एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जाएगी।
आज दिनांक 31-10-2026 को मेरे हस्ताक्षर व मुहर अदालत के जारी।

रीडर
न्यायालय उपजिला मजिस्ट्रेट
कोटद्वार।
(0621/11)

भारत को जानो प्रतियोगिता में अर्चिता, अक्षत नेगी, रक्षिता, अभिनव ने मारी बाजी



जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भारत विकास परिषद कोटद्वार के तत्वावधान में भारत को जानो प्रतियोगिता का द्वितीय चरण सम्पन्न प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में टीसीजी पब्लिक स्कूल की अर्चिता काला कक्षा 11 व अक्षत नेगी कक्षा 10, जूनियर वर्ग में रोहित अग्रवाल सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज उमरावनगर की रक्षिता कक्षा 7 व अभिनव नेगी कक्षा 7 प्रथम स्थान पर रहे। प्रतियोगिता के संयोजक गोपाल बंसल ने उक्त प्रतियोगिता के द्वितीय चरण की जानकारी देते हुए बताया कि द्वितीय चरण की नगर स्तरीय भारत को जानो प्रतियोगिता में नगर क्षेत्र की 24 स्कूलों के लगभग 72 छात्र-छात्राओ ने भाग लिया। प्रथम चरण में विद्यालय स्तर में लगभग 1795 बच्चों ने भाग लिया था। दोनों वर्गो में प्रथम आने वाली टीम प्रान्तीय प्रतियोगिता में भाग लेगी, जो 22 नवम्बर 2026 को बहादराबाद में सम्पन्न होगी। प्रतियोगिता जूनियर वर्ग में रोहित अग्रवाल सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज उमरावनगर रक्षिता, अभिनव प्रथम, टीसीजी पब्लिक स्कूल के अर्पित नेगी, आरोही, मदरलैंड एकेडमी अंकिता नेगी, अदीप रावत द्वितीय, हैप्पी होम स्कूल अर्थव सेमवाल, अंशुमन सिंह रावत तृतीय स्थान पर रहा। सीनियर वर्ग में टीसीजी पब्लिक स्कूल के अर्चित काला, अक्षत नेगी ने प्रथम, सिद्धबली पब्लिक स्कूल के वैभव थपलियाल, आयुष सिंह ने द्वितीय, बाल भारती सीनियर सेकेण्डरी स्कूल की अंकिता रावत, प्रिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

मदरलैंड एकेडमी के ऋशि सिंह, शौर्य कुलाश्री ने सांत्वना पुरस्कार जीता। इस अवसर पर अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल, सचिव प्रदीप अग्रवाल, कैलाश चन्द्र अग्रवाल, राजेन्द्र जखमोला, सेवकराम मानुजा, राकेश मित्तल, टी.आर पांथरी, बीना मित्तल, शीला कुकरेती, राजदीप माहेश्वरी, हरीश मैंदोला, कैलाश चन्द्र कुकरेती, विवेक कुकरेती आदि मौजूद थे।

पॉलिटेक्निक के शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर किया नीतियों का विरोध

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय पॉलिटेक्निक श्रीनगर समेत प्रदेश के 71 राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थानों में शिक्षक विभागीय नीतियों के विरोध में काली पट्टी बांधकर काम कर रहे हैं। उत्तराखंड पॉलीटेक्निक शिक्षक संघ के आह्वान पर शुरू हुए आंदोलन के तहत शिक्षकों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर विरोध जताया है। संघ ने विभाग को दो दिन का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी है कि मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं होने पर शिक्षक पूर्ण विभागीय कार्य बहिष्कार करेंगे।

संघ अध्यक्ष प्रशांत डोभाल के अनुसार, शिक्षकों की तीन प्रमुख मांगें लंबे समय से लंबित हैं। इनमें नवीन वार्षिक गोपनीय आख्या (एसीआर) प्रारूप और पिछले दो वर्षों की एसीआर दोबारा भरवाने के आदेश को निरस्त करने की मांग शामिल है। इसके अलावा पात्र शिक्षकों को सुनिश्चित कॅरिअर प्रगति (एमएसीपी) का लाभ समय पर देने और लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने की मांग उठाई गई है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल अभियन्ता/ट्रैक द्वारा निम्नलिखित ई–टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित हैं। जो उसी दिन **16:00 बजे** तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आंमत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत और धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या	227-DRM-MB-26-27 Date - 27.10.2026
कार्य का नाम	Improvement of MNDR Ballast depot at Mandi Dhanaura Station in the section of SSE/Works/CPS under DEN/Track/MB.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	26.11.2026
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00 hrs.
अनुमानित लागत (रु.)	2,35,97,392.18
धरोहर राशि (रु.)	4,72,000.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	10 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	12.11.2026

टेंडर नं.: DEN-T/Publication/26-27 दिनांक: 30.10.2026 3884/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय, अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा

E-mail id :- eepwddugadda@rediffmail.com
eepwdcddugadda@gmail.com
Phone & Fax No-01382-251221

पत्रांकः- 3311 / निविदा दिनांकः- 30/10/2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना (Short Term e-Tendering)

महामहिम राज्यपाल उत्तराखण्ड की ओर से अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 दुगड्डा द्वारा निम्नलिखित कार्य ई-टैन्डरिंग द्वारा आइटम रेट के आधार पर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना https://www.uktenders.gov.in पर दिनांक 07.11.2026 से उपलब्ध होगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (माह में)	निविदा की वैधता (दिन में)	फर्म/ठेकेदार की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र लैंसडोन के विकासखण्ड रिखणीखाल के अन्तर्गत बसड़ा-बूंगा-देवियोंखाल मोटर मार्ग के चैनेज 2.500 से 4.00 किमी0 में डामरीकरण का कार्य। (लम्बाई 1.500 किमी0)	202000.00	4000.00 +18% जी0एस0टी0	8	90	श्रेणी डी0 एवं उच्चतर मार्ग कार्य हेतु।

नोटः- निविदादाता को निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि एवं निर्धारित समय से पूर्व निम्नलिखित अभिलेख अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में मूल में उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। जिसके प्रस्तुत न करने पर निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।

1– निविदा प्रपत्र की लागत कॉलम 4 के अनुसार डिमांड बैंक ड्राफ्ट जो अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग दुगड्डा के नाम बन्धक हो। निविदा मूल्य व 18% GST हेतु दो बैंक ड्राफ्ट अलग-अलग दिये जायें।
2- निविदा की वैधता हेतु अन्डरटेकिंग जो रू0 100.00 मात्र का नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर रू0 1.00 के रैवेन्यू स्टाम्प पर हस्ताक्षर सहित वैधता की अवधि इंगित करते हुये प्रमाण पत्र।
3- निर्धारित धरोहर धनराशि जो कि अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड लो0नि0वि0 दुगड्डा के नाम बन्धक हो।
4- पंजीकरण की प्रति।
5- जी0एस0टी0 की प्रति।

(इं0 निर्भय सिंह)
अधिशासी अभियंता
नि0ख0, लो.नि.वि. दुगड्डा
(0519/53)

अंग्रेजी साहित्य शोध पत्रिका क्रिएटिव राइटिंग एंड क्रिटिसिज्म का नया अंक प्रकाशित

दिवंगत शिक्षाविद् डॉ. सुरेश नाथ को किया गया समर्पित

कोटद्वार/ अंग्रेजी भाषा और साहित्य के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित छमाही शोध पत्रिका 'क्रिएटिव राइटिंग एंड क्रिटिसिज्म' (IYSSN 0975–2390) का नया अंक सफलतापूर्वक प्रकाशित हो गया है। शोधपरक लेखों और रचनात्मक लेखन से समृद्ध इस अंतरराष्ट्रीय जर्नल का संपादन देश के प्रतिष्ठित विद्वानों की समिति द्वारा किया गया है।

इस जर्नल के संपादक मंडल में डॉ. वर्षा सिंह (अंग्रेजी विभाग, पी.डी.बी.एच. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार), डॉ. प्रदीप तालान (अंग्रेजी विभाग, गुलाब सिंह हिंदू पी.जी. कॉलेज, बिजनौर, उत्तर प्रदेश), डॉ कल्पना राजपूत (अंग्रेज़ी विभाग, ज्योति विद्यापीठ वोमेन यूनिवर्सिटी जयपुर राजस्थान).डॉ. वीरेंद्र कुमार मिश्रा (अंग्रेजी विभाग, मिलत कॉलेज, लहरियासराय, दरभंगा) और डॉ. सुनील कुमार झा (अंग्रेजी विभाग, वनस्थली



विद्यापीठ) शामिल हैं।

दिवंगत प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ. सुरेश नाथ को दी गई श्रद्धांजलि

पत्रिका का यह अंक अंग्रेजी साहित्य के महान हस्ताक्षर, प्रख्यात शिक्षाविद् और जे.एस. (पी.जी.) कॉलेज, सिकंदराबाद के पूर्व प्राचार्य दिवंगत डॉ. सुरेश नाथ के विज़न और उनकी शैक्षणिक विरासत को समर्पित किया गया है। चार दशकों से अधिक के अपने शिक्षण करियर में डॉ. सुरेश नाथ ने शिक्षा और शोध के क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने अनेक पी.एचडी. शोधार्थियों और यूजीसी टीचिंग फेलोज का कुशल मार्गदर्शन किया। वे विश्वविद्यालय की कई प्रतिष्ठित समितियों के सदस्य रहे, जहाँ उन्होंने पाठ्यक्रम निर्माण और शिक्षा नीतियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एक उत्कृष्ट शिक्षाविद् होने के साथ–साथ डॉ. नाथ एक प्रख्यात कवि और समीक्षक भी थे। उनकी कृतियाँ जैसे 'डी.एच. लॉरेंसः द ड्रामेटिस्ट' और कविता संग्रह 'बबलिंग लाइफ, बट...', 'बिट्रेयल' और 'व्हाट कैन वी डू' साहित्य जगत में काफी लोकप्रिय हैं। विश्व कविता में उनके अतुलनीय योगदान के लिए उन्हें इंटरनेशनल पोएट्स एकेडमी द्वारा 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से भी सम्मानित किया गया था। वह एक समर्पित एनसीसी (NCC) अधिकारी भी रहे।

साल 2020 में उनके निधन के बाद भी उनका अकादमिक योगदान और मार्गदर्शन आज की पीढ़ी के शोधार्थियों को प्रेरित कर रहा है। संपादक मंडल ने जर्नल के इस प्रकाशन को उनके समृद्ध शैक्षणिक योगदान के प्रति एक सम्मान बताया है। पुस्तक विमोचन कार्यक्रम मे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो डीएस नेगी प्रो ज्योति खरे डॉ निशांत भट्ट डॉ रजनी बाला डॉ ऐश्वर्या राणा सहित समस्त प्राध्यापक गणों ने डॉ वर्षा को शुभकामनायें प्रेषित की है।

स्वच्छता के नारों से गूंजा पौड़ी शहर



रेडक्रॉस और पैरामेडिकल संस्थान ने निकाली जागरुकता रैली, आमजन से स्वच्छता अपनाने की अपील

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : स्वच्छता के प्रति जनजागरुकता बढ़ाने और आमजन को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी पौड़ी एवं पराज इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंस पौड़ी के संयुक्त तत्वावधान में शहर में स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई। थानाध्यक्ष जयपाल नेगी ने हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया।

रैली में शामिल छात्र-छात्राओं एवं रेडक्रॉस सदस्यों ने स्वच्छता संबंधी नारों के माध्यम से लोगों को अपने घर, मोहल्ले और आसपास के क्षेत्रों को साफ-सुथरा रखने का संदेश दिया। ह्यहम सबका एक ही नारा, स्वच्छ रहे देश हमाराह्न जैसे नारों से शहर का माहौल स्वच्छता के संदेश से गूंज उठा। इस दौरान थानाध्यक्ष ने स्वच्छता को सामूहिक जिम्मेदारी बताते हुए सभी नागरिकों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। रेडक्रॉस के जिला सचिव केशर सिंह असवाल ने कहा कि स्वच्छता केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। दैनिक जीवन में स्वच्छता की आदत अपनाकर बीमारियों से बचाव के साथ ही स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर समाज का निर्माण किया जा सकता है। रैली में भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के सदस्य मदन मोहन नौडियाल, जसपाल सिंह रावत, दलबीर सिंह बिष्ट, राज्य प्रतिनिधि प्रदीप रावत, दीपक खनसूली सहित अन्य सदस्य एवं पराज इंस्टीट्यूट के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

उच्चस्तरीय विभागीय कमेटी पहुंची लालढांग रेंज, अधिकारियों-कर्मचारियों से पूछताछ

कोटद्वार की सीआईयू की टीम ने लालढांग रेंज कार्यालय का का किया स्थलीय निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लैंसडौन वन प्रभाग की लालढांग रेंज के भंडार से हाथी दांत (आइवरी) गायब होने के मामले में विभागीय जांच के साथ ही पुलिस जांच भी शुरू हो गई है। मामले में गठित उच्चस्तरीय विभागीय कमेटी ने सोमवार को लालढांग पहुंचकर विभागीय रिकॉर्ड खंगाले। वहीं कोटद्वार की सीआईयू की टीम ने लालढांग रेंज कार्यालय का स्थलीय निरीक्षण कर मामले के सम्बन्ध में जानकारी ली। मामले में कोतवाली कोटद्वार में प्राथमिकी पंजीकृत की गई है।

मामले में डीएफओ हरिद्वार स्वप्निल अनिरुद्ध की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय विभागीय कमेटी ने सोमवार को लालढांग पहुंचकर रेंज के अधिकारियों और कर्मचारियों से पूछताछ की। उधर, यमकेश्वर थाने में दर्ज प्राथमिकी को कोटद्वार तहसील क्षेत्र से जुड़ा होने के कारण कोटद्वार कोतवाली में पंजीकृत कर लिया गया है। कोटद्वार स्थित क्राइम इंवेस्टीगेशन यूनिट (सीआईयू) के अधिकारियों ने लालढांग रेंज कार्यालय का स्थलीय निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। उप प्रभागीय वनाधिकारी सुधीर कुमार की ओर से दर्ज कराई गई प्राथमिकी के तहत यह मुकदमा भारतीय न्याय संहिता के तहत सरकारी संपत्ति की चोरी के मामले में अज्ञात के खिलाफ दर्ज है। एफआईआर में उल्लेख है कि हाथी दांत वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत संरक्षित वन्यजीव संपत्ति है। सीआईयू प्रभारी दीपक धारीवाल ने बताया कि घटनास्थल का मुआयना कर लिया गया है। कोतवाल प्रदीप नेगी ने बताया कि प्राथमिकी पंजीकृत कर जांच शुरू की जा रही है।

कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह बोले शिक्षक राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण धुरी

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय नवोदय नेतृत्व संस्थान, नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में जवाहर नवोदय विद्यालयों के शिक्षकों के लिए चार दिवसीय राष्ट्रीय क्षमता संवर्धन कार्यक्रम सोमवार को शुरू हो गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, नवीन तकनीकों एवं समकालीन शैक्षिक आवश्यकताओं के लिए दक्ष बनाना है। कार्यक्रम में उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश के नवोदय विद्यालयों से आए 46 शिक्षक-शिक्षिकाएं प्रतिभाग कर रहे हैं।

उद्घाटन सत्र का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर अतिथियों का पारंपरिक शॉल, स्मृति चिह्न एवं तुलसी का पौधा भेंट कर स्वागत किया



गया। शोधार्थी स्नेहलता ने विश्वविद्यालय के कुलगीत की सांकेतिक भाषा में प्रस्तुति देकर समावेशिता एवं सुलभ शिक्षा का प्रेरक संदेश दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षक शिक्षा एवं प्रशिक्षण के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। ऐसे क्षमता संवर्धन कार्यक्रम शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के साथ-साथ समावेशी एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षकों के लिए विषयगत ज्ञान के साथ तकनीकी दक्षता, व्यावहारिक कौशल एवं नवीन शिक्षण तकनीकों की समझ भी आवश्यक है। शिक्षकों को आधुनिक तकनीक एवं नवाचारों को कक्षा-कक्ष तक पहुंचाने के साथ उन्हें विद्यार्थियों की वास्तविक आवश्यकताओं से जोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान के संवाहक नहीं, बल्कि भावी पीढ़ी के चरित्र, विचार एवं सामाजिक चेतना के निर्माणकर्ता भी हैं। राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दून विश्वविद्यालय, देहरादून की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने अपने संबोधन में शिक्षकों के व्यावसायिक विकास, भावनात्मक जुड़ाव एवं संस्थागत अपनत्व को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का महत्वपूर्ण आधार बताया।

एक नजर

सौंदाडी के पास वाहन हादसे में 11 महिलाओं समेत चालक घायल

पुरोला। पुरोला से कंताड़ी गांव की ओर जा रहा एक वाहन सोमवार को सौंदाड़ी के समीप मटियाली छानी के पास अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में वाहन सवार 11 महिलाओं समेत चालक घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और 108 एंबुलेंस की टीम मौके पर पहुंची और सभी घायलों को उपचार के लिए उप जिला चिकित्सालय पुरोला पहुंचाया।

पुलिस चौकी प्रभारी मोर सिंह चौहान ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त मैक्स वाहन में सवार सभी लोग कंताड़ी गांव के निवासी हैं। वे पुरोला क्षेत्र में एक रिश्तेदारी में आए थे और अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान मटियाली छानी के पास वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में शांति देवी, शुकली देवी, मनीषा, सरिता, सुचिता, किशोरी, साबली देवी, सरोज, सामली, अंजना और वाहन चालक लोकेश रावत घायल हुए हैं।प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज असवाल ने बताया कि सभी घायलों का उप जिला चिकित्सालय पुरोला में उपचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी का चिकित्सकीय परीक्षण पूरा होने के बाद ही उनकी वास्तविक स्वास्थ्य स्थिति साफ हो सकेगी।

झील रिंग रोड के लिए ग्रामीणों को मिलेगा चार गुना मुआवजा

चिन्यालीसौड़। टिहरी झील के चारों ओर प्रस्तावित 184 किलोमीटर लंबी रिंग रोड के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में प्रभावितों को आकर्षक मुआवजा देने का प्रावधान किया गया है। परियोजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में अधिग्रहित भूमि का सर्किल रेट से चार गुना और शहरी क्षेत्रों में दोगुना मुआवजा दिया जाएगा। वहीं, झील के ऊपर डोबरा–चांठी में 500 मीटर लंबा सिंगल सस्पेंशन ब्रिज बनाया जाना प्रस्तावित है।रिंग रोड पर कुल नौ डबल लेन पुल प्रस्तावित हैं। इनमें चिन्यालीसौड़ के देवीसौड़ में 350 मीटर लंबा आर्च ब्रिज और डोबरा–चांठी में 500 मीटर लंबा सिंगल सस्पेंशन ब्रिज प्रमुख हैं। पुलों का निर्माण भी रिंग रोड परियोजना के तीन चरणों के अनुरूप किया जाएगा। पुलों के बनने से झील के दोनों ओर के क्षेत्रों के बीच संपर्क बेहतर होने के साथ भारी वाहनों की आवाजाही भी सुगम होगी।प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता राजेंद्र टम्टा ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के प्रभावित भूमिधरों को सर्किल रेट का चार गुना और शहरी क्षेत्रों में अधिग्रहित भूमि का दोगुना मुआवजा दिया जाएगा। डोबरा–चांठी में 500 मीटर लंबा सिंगल सस्पेंशन ब्रिज भी प्रस्तावित है। इससे दोनों जनपदों में पर्यटन विकास की नई राहें खुलने की भी उम्मीदें है।

मकानों के ऊपर झूल रहे तार, हादसों का बना खतरा

उत्तरकाशी। नगर क्षेत्र में मकानों और सड़कों के ऊपर जगह–जगह झूल रहे बिजली, केबल और अन्य विभागों के तार लोगों के लिए परेशानी का सबब बने हैं। कई स्थानों पर तारों का जाल इस कदर उलझा हुआ है कि हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इसके बावजूद संबंधित विभाग समस्या के समाधान को लेकर गंभीर हैं।स्थानीय व्यापारी सुरेंद्र गंगाड़ी, अजय प्रकाश बड़ोला, विष्णुपाल रावत, राजेंद्र व्यास, विनय पंवार, कुलवीर सिंह, मान सिंह गुसाईं ने बताया कि नगर क्षेत्र में नगर पालिका, विद्युत विभाग और केबल नेटवर्क से जुड़े तार जगह–जगह भवनों के ऊपर से गुजर रहे हैं। कई स्थानों पर ये तार काफी नीचे तक लटक रहे हैं जबकि कुछ जगहों पर आपस में उलझकर अव्यवस्थित जाल का रूप ले चुके हैं।इससे भवन स्वामियों, दुकानदारों और राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ रही है। तेज हवा और खराब मौसम के दौरान तारों से हादसे का खतरा और बढ़ जाता है। इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित विभागों के अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने जिला प्रशासन से नगर क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कराने और सभी अव्यवस्थित तारों को चिह्नित कर संबंधित विभागों के माध्यम से व्यवस्थित करवाने की मांग की है।

पाबौ में मेडिकल स्टोर और खाद्य प्रतिष्ठानों का संयुक्त निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : आमजन को सुरक्षित दवाएं एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सोमवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पौड़ी गढ़वाल के तत्वावधान में पाबौ बाजार स्थित मेडिकल स्टोर और खाद्य प्रतिष्ठानों का संयुक्त औचक निरीक्षण किया गया। यह कार्रवाई प्राधिकरण की सचिव एवं सिविल जज (सीनियर डिवीजन) नाजिश कलीम के नेतृत्व में ह्यसुरक्षित दवा, सुरक्षित जीवनह्न एवं ह्यजेनेरिक ड्रग्स-इफेक्टिव, इकोनॉमिकल एंड एसेंशियलह्न अभियान के तहत की गई। अधिकारियों ने कहा कि आमजन के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए इस प्रकार के संयुक्त निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे। निरीक्षण के दौरान मेडिकल स्टोर में दवाओं की एक्सपायरी तिथि, भंडारण व्यवस्था, लाइसेंस एवं आवश्यक अभिलेखों के साथ जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता की जांच की गई। मेडिकल स्टोर संचालकों को एक्सपायरी एवं अमानक दवाओं का विक्रय नहीं करने तथा उपभोक्ताओं को जेनेरिक दवाओं के प्रति जागरूक करने को कहा गया। वहीं, खाद्य सुरक्षा एवं गुणवत्ता की जांच के लिए पाबौ बाजार में चार खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान



रसगुल्ला, सोनपापड़ी, नमकीन, रसमलाई, नमकपारे और अन्य के कुल छह नमूने जांच के लिए एकत्र किए गए। निरीक्षण के दौरान एक प्रतिष्ठान को एक्सपायरी खाद्य पदार्थों के संबंध में नोटिस जारी किया गया। संबंधित संचालक को आवश्यक सुधार करने तथा खाद्य सुरक्षा अधिनियम के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण समिति ने प्रतिष्ठान संचालकों को खाद्य एवं औषधि सुरक्षा से जुड़े निर्धारित मानकों का पालन करने के प्रति जागरूक किया। साथ ही स्पष्ट किया कि एक्सपायरी एवं अमानक दवाओं तथा असुरक्षित खाद्य पदार्थों की बिक्री पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त निरीक्षण में एसीएमओ डॉ. गौरव बौठियाल, औषधि निरीक्षक डॉ. सीमा बिष्ट चौहान, खाद्य सुरक्षा अधिकारी रचना लाल, एमओआईसी पाबौ डॉ. पंकज, पूर्ति निरीक्षक हेमेन्द्र कुमार, पाबौ चौकी प्रभारी मुकेश गैरोला सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बेस अस्पताल में कार्डियोलॉजिस्ट नियुक्त करने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नागरिक मंच की मासिक बैठक व्यापार मंडल सभागार में अध्यक्ष चंद्रप्रकाश नैथानी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में शहर की शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन और विकास से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की गई। मंच के सदस्यों ने राजकीय बेस अस्पताल में कार्डियोलॉजिस्ट की तैनाती करने की मांग की। कहा कि जनहित में बेस अस्पताल में जल्द से जल्द कार्डियोलॉजिस्ट की नियुक्ति की जानी चाहिए।

सोमवार को आयोजित बैठक में कोटद्वार से दिल्लल्ली के लिए वातानुकूलित बस सेवा दोबारा शुरू करने और शाम चार से पांच बजे के बीच बस सेवा संचालित करने की मांग की गई। इसके अलावा कोटद्वार-पौखाल-भंवासी-ऋषिकेश होते हुए देहरादून तक रोडवेज बस चलाने की मांग की। बैठक में राजकीय बेस अस्पताल में हृदय रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति नहीं होने का मुद्दा उठाया गया। नागरिक मंच के सदस्यों ने जोर देते हुए कहा कि हृदयाघात से पीड़ित मरीजों को रेफर करने के दौरान रास्ते में जान का खतरा बना रहता है।

बैठक में महासचिव अतुल भट्ट, शंकर दत्त गौड़, केसीराम निराला, चित्रमणि देवलियाल, गोविंद डंडरियाल, देवव्रत काला, हर्षवर्धन ध्यानी, राकेश लखेड़ा, राजेंद्र पंत, सत्यनारायण नौटियाल, भारत मोहन काला, सुदीप बौठियाल आदि मौजूद रहे।

गंगोत्री हाईवे पर गड्ढामुक्त अभियान की खुली पोल

उत्तरकाशी। गंगोत्री हाईवे को गड्ढामुक्त बनाने के दावे धरातल पर बेअसर नजर आ रहे हैं। जनपद मुख्यालय से ज्ञानसू होते हुए हीना तक हाईवे की बदहाल स्थिति वाहन चालकों और यात्रियों के लिए मुसीबत बनी है। जगह–जगह बने गड्ढों के बीच आवाजाही करना लोगों की मजबूरी बन गई है। वहीं, हाईवे किनारे और निर्माण स्थलों पर जमा निर्माण सामग्री से उड़ती धूल ने राहगीरों और स्थानीय लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है।हैरानी की बात यह है कि हाईवे को गड्ढामुक्त बनाने के लिए अभियान चलाए जाने और दावे किए जाने के बावजूद सड़क की स्थिति में अपेक्षित सुधार नजर नहीं आ रहा है। ज्ञानसू में ही सड़क पर गड्ढे बने हुए हैं। इसके अलावा लक्षेश्वर, गंगोरी, नेताला और हीना जैसे प्रमुख स्थानों पर भी हाईवे की हालत खराब बनी हुई है। कई जगह बड़े गड्ढों के कारण वाहनों को संभलकर आवाजाही करनी पड़ रही है।स्थानीय लोगों का कहना है कि हाईवे पर गड्ढों के कारण दोपहिया वाहन चालकों को विशेष रूप से जोखिम उठाना पड़ रहा है। वहीं, चारपहिया वाहनों में सफर करने वाले यात्रियों को भी झटकों और जाम जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। दूसरी ओर, हाईवे पर विभिन्न स्थानों पर निर्माण सामग्री जमा होने और वाहनों की आवाजाही से दिनभर धूल उड़ रही है। डीएम प्रशांत आर्य का कहना है कि बीआरओ की ओर से चारधाम यात्रा समाप्त होने के बाद गंगोत्री हाईवे की स्थिति सुधारने की बात कही गई है।

हर्षिल घाटी में दिख रही प्रवासी पक्षी डेमोइसेल क्रेन

उत्तरकाशी। हर्षिल घाटी में नदियों के किनारे इन दिनों प्रवासी पक्षी डेमोइसेल क्रेन का अच्छी संख्या में विचरण देखने को मिल रहा है। पक्षी कुछ दिन घाटी के आसपास विश्राम कर उसके बाद देश के राजस्थान व अन्य प्रदेशों के लिए रवाना होती है। नदियों के किनारे इनका विचरण व अन्य गतिविधियां पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। गंगोत्री रेंज अधिकारी यशवंत चौहान ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी हर्षिल और इसके आसपास के क्षेत्रों में डेमोइसेल क्रेन पक्षी दिख रहे हैं। भागीरथी नदी के किनारों पर सबसे अधिक देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि पक्षी हर वर्ष साइबेरिया सहित चीन आदि देशों में ठंड अधिक बढ़ने के बाद भारत के मैदानी इलाकों के राज्यों की ओर प्रवास करते हैं। इस दौरान वे हिमालय की समुद्रतल से करीब 16 से 20 हजार फीट तक की ऊंचाई को पार करते हैं। इस दौरान ये लंबी दूरी तय करने के बाद हर्षिल घाटी में पानी और भोजन के लिए रुकते हैं।

यमुनोत्री धाम में पोकलेन से शुरू हुआ बाढ़ सुरक्षा कार्य

बड़कोट। यमुनोत्री धाम को नदी के कटाव और आपदाओं के खतरों से सुरक्षित करने की दिशा में अब निर्माण कार्यों ने रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी है। धाम तक पहुंचाई गई पोकलेन मशीन को दोबारा असेंबल कर तैयार करने के बाद विधिवत पूजा–अर्चना के साथ उससे निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। इससे लंबे समय से चुनौती बने बाढ़ सुरक्षा कार्यों को मजबूती मिलने और निर्माण की गुणवत्ता बेहतर होने की उम्मीद है।

वर्ष 2024 की आपदा के बाद यमुनोत्री धाम में यमुना नदी के कटाव से बचाव के लिए मजबूत और टिकाऊ सुरक्षात्मक निर्माण की जरूरत लगातार महसूस की जा रही थी। अब तक दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और भारी मशीनों की अनुपलब्धता के चलते निर्माण कार्यों में कई मुश्किलें सामने आती रही हैं। ऐसे में पोकलेन मशीन के संचालन शुरू होने को धाम की सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मशीन के माध्यम से अब नदी कटाव से बचाव सहित अन्य सुरक्षात्मक निर्माण कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से अंजाम देने की उम्मीद है। इससे जहां श्रम और समय की बचत होगी, वहीं निर्माण कार्यों को अपेक्षाकृत मजबूत और टिकाऊ बनाया जा सकेगा। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता आरएस बडोनी ने बताया कि मशीन को धाम तक पहुंचाने के साथ उसे दोबारा तैयार करना चुनौतीपूर्ण रहा। उच्चाधिकारियों के मार्गदर्शन में यह संभव हो सका। दीपावली के बाद बाढ़ सुरक्षा कार्यों को विधिवत रूप से धरातल पर उतारा जाएगा। इस मौके पर तीर्थ पुरोहित प्रदीप उनियाल, कार्यदायी संस्था के प्रबंधक दयाशंकर बलूनी सहित सिंचाई विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

दीपावली पर उत्तरकाशी के मुख्य बाजार में व्यवस्था रहेगी चाक–चौबंध

उत्तरकाशी। दीपावली को देखते हुए पुलिस ने बाजार में यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है। दीपावली के दौरान प्रतिदिन शाम 4 से रात 8 बजे तक मुख्य बाजार में सभी वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। इस दौरान लोडर और चारपहिया वाहनों को बाजार में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

इसी संबंध में सोमवार को कोतवाली उत्तरकाशी में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों और व्यापारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी जनक सिंह पंवार ने की। बैठक में निर्णय लिया गया कि दीपावली के दौरान प्रतिदिन शाम 4 से रात 8 बजे तक मुख्य बाजार में सभी वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रतिबंधित समय में दोपहिया वाहन केदारघाट पार्किंग और रामलीला मैदान में खड़े



किए जाएंगे ताकि बाजार में खरीदारी करने आने वाले लोगों को परेशानी न हो। बैठक में दुकानदारों को अपनी दुकानों के बाहर सामान न रखने और बाजार में अतिक्रमण न करने के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा रामलीला मैदान में नगर पालिका की ओर से लगाए जा रहे पटाखों के स्टॉल पर अग्नि सुरक्षा सहित सभी जरूरी नियमों का पालन करने को कहा गया।

श्रीगुल मंदिर के सौंदर्यीकरण से संवरेंगी यमुना घाटी की धार्मिक धरोहरें

पुरोला। यमुना घाटी के प्रमुख आस्था केंद्र श्रीगुल मंदिर के दिन संवरने की उम्मीद जगी है। लंबे समय से सौंदर्यीकरण और सुविधाओं के विस्तार की आस लगाए बैठे श्रद्धालुओं को अब मुख्यमंत्री की घोषणा से उम्मीद बंधी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पुरोला क्षेत्र के श्रीगुल मंदिर सहित छह मंदिरों के सौंदर्यीकरण कार्यों को अपनी घोषणाओं में शामिल किया है। हालांकि, इन कार्यों को धरातल पर उतरने के लिए अब शासनादेश जारी होने का इंतजार है।मुख्यमंत्री की घोषणा में पुरोला गांव स्थित ऐतिहासिक श्रीगुल मंदिर के अलावा खलाड़ी का जागमाता मंदिर, महारगांव का भगवती मंदिर, सुनाली का रघुनाथ मंदिर, कण्डियाल गांव का कपिल मुनि मंदिर और कोटला भसुना का रघुनाथ मंदिर शामिल हैं। प्रस्तावित कार्यों के तहत मंदिर परिसरों का विकास, सौंदर्यीकरण और श्रद्धालुओं के लिए मूलभूत सुविधाओं का विस्तार किया जाना है। इनमें श्रीगुल मंदिर को लेकर विशेष उम्मीदें हैं। यह मंदिर क्षेत्र की धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक पहचान का प्रमुख केंद्र है। सौंदर्यीकरण और सुविधाओं के विकास से यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्थाएं मिलने के साथ ही मंदिर को धार्मिक पर्यटन के नक्शे पर नई पहचान मिलने की संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

ईरान समझौता करना चाहता है, बातचीत सही दिशा में, सैन्य कार्रवाई का विकल्प भी खुला : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका के साथ ईरान समझौता करना चाहता है और दोनों देशों के बीच बातचीत अच्छी चल रही है। हालांकि, उन्होंने ईरान की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह समझौता करने के बाद पीछे हट जाता है। फ्लोरिडा में हैलोवीन पार्टी के दौरान पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन यह देखना होगा कि क्या वह वास्तव में किसी समझौते पर पहुंचने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, ''वे समझौता करना चाहते हैं। हम देखेंगे कि वे ऐसा कर पाते हैं या नहीं।'' ट्रंप ने कहा कि ईरान बहुत भरोसेमंद नहीं है। वह पहले समझौता करता है और फिर उससे पीछे हट जाता है। इसके बावजूद अमेरिका बातचीत को लेकर जल्दबाजी में नहीं है। उन्होंने कतर की मध्यस्थता में चल रही बातचीत की समयसीमा को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि अमेरिका को कोई खास जल्दबाजी नहीं है। ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि 'अमेरिकी सैन्य कार्रवाई में ईरान की नौसेना, वायुसेना और हथियार निर्माण की क्षमताओं को भारी नुकसान पहुंचाया गया है।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े 'पिकएक्स माउंटेन' को निशाना बनाने की धमकी भी दोहराई। उन्होंने कहा कि अमेरिका चाहे तो इस ठिकाने पर बहुत तेजी से हमला कर सकता है। अमेरिका का दावा है कि इस पहाड़ी के नीचे ईरान का परमाणु ठिकाना मौजूद है। ईरान पर दोबारा सैन्य हमले का आदेश देने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने सवाल को 'बेवकूफाना' बताया। उन्होंने कहा, ''मान लीजिए कि मैंने ऐसा करने का फैसला किया, तो क्या मैं आपको पहले बता दूंगा? मैं यह नहीं बता सकता।

घड़ी के शीशे बनाने वाली झोउ छुनफेई अब चीन की सबसे अमीर महिला बनीं

बीजिंग, एजेंसी। चीन की एक महिला ने फैक्टरी में काम करने से लेकर देश की सबसे अमीर महिला बनने तक का सफर तय किया है। 56 साल की झोउ छुनफेई ने किशोरावस्था में ही स्कूल छोड़ दिया था। इसके बाद उन्होंने एक फैक्टरी में काम शुरू किया। आज वह ग्लास बनाने वाली कंपनी लेंस टेक्नोलॉजी की संस्थापक हैं। उनकी अनुमानित संपत्ति 1.27 लाख करोड़ युआन यानी करीब 1.80 लाख करोड़ रुपये है। 28 अक्तूबर को जारी हुरुन की 2026 की चीन की सबसे अमीर महिलाओं की सूची में झोउ ने फिर पहला स्थान हासिल किया है। पिछले एक साल में उनकी संपत्ति 15% बढ़ी है। एपल के आईफोन से बदली किस्मत झोउ को बड़ी कामयाबी 2007 में मिली, जब उसे एपल के शुरुआती आईफोन के लिए ग्लास कवर बनाने का ऑर्डर मिला। इसके बाद एपल का कारोबार लेंस की कमाई का बड़ा स्रोत बन गया। हुरुन एक वैश्विक शोध और प्रकाशन संस्थान है, जो 1999 से चीन की सबसे अमीर महिलाओं की सूची जारी कर रहा है। यह सूची चीन के सबसे अमीर लोगों की समग्र सूची से अलग है। इसमें परिवारों या दंपतियों की संयुक्त संपत्ति के बजाय महिलाओं की व्यक्तिगत संपत्ति का आकलन किया जाता है, जिसे परिवार की संपत्ति से अलग पहचाना जा सके।

समुद्र में 352किलोमीटर की गहराई पर केंद्र; सुनामी का अलर्ट नहीं

टोक्यो, एजेंसी। जापान के मी प्रांत के तट के पास रविवार सुबह 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, भूकंप का केंद्र भूकंप का केंद्र मी प्रांत की राजधानी त्सु से करीब 110 किलोमीटर दक्षिण में था। त्सु की आबादी 2.5 लाख से ज्यादा है। भूकंप समुद्र में जमीन से 352 किलोमीटर की गहराई में आया। भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई। फिलहाल किसी के घायल होने या जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। यूरोपियन-मेडिटेरेनियन सीस्मोलॉजिकल सेंटर की वेबसाइट पर लोगों ने बताया कि झटके काफी देर तक महसूस हुए। शुरुआत में हल्के झटके लगे, जो धीरे-धीरे तेज होते गए। जापान दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। यह चार बड़े टेक्टोनिक प्लेटों पर बसा है और प्रशांत महासागर के 'रिंग ऑफ फायर' का हिस्सा है। हर साल यहां करीब 1500 भूकंप आते हैं, जिनमें से ज्यादातर हल्के होते हैं। जापान के नोटो द्वीप में 2024 में आए भूकंप में करीब 600 लोग मारे गए थे। 2011 में 9.0 तीव्रता के भूकंप और सुनामी ने 18 हजार से ज्यादा लोगों की जान ले ली थी।

इजराइल में बहुमत के दूर नेतन्याहू, अरब पार्टियां बनेंगी किंगमेकर !

वाशिंगटन, एजेंसी। इजराइल के संसदीय चुनाव का नतीजा स्पष्ट नहीं रहा है. प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाला दक्षिणपंथी गुट (लिकुड के नेतृत्व में) सबसे बड़ा राजनीतिक समूह बनकर उभरा है, लेकिन सरकार बनाने के लिए जरूरी बहुमत से पीछे रह गया है. अरब-नेतृत्व वाली पार्टियों के अच्छे प्रदर्शन ने राजनीतिक समीकरण को और उलझा दिया है. इससे देश की सत्ता किसके हाथ में होगी, यह तय करने में उनकी भूमिका निर्णायक हो सकती है.

28 अक्टूबर को आई ताजा रिपोर्टों से चुनाव के मुख्य विरोधाभास की तस्वीर और साफ हो गई है. लगभग 92 प्रतिशत वोटों की गिनती के बाद, द गार्डियन की रिपोर्ट के अनुसार, नेतन्याहू के गुट को 53 सीटें, यहूदी विपक्षी गुट को 48 सीटें और अरब-नेतृत्व वाली पार्टियों को 19 सीटें मिलने का अनुमान है. नेतन्याहू बहुमत के लिए जरूरी 61 सीटों के आंकड़े से 8 सीटें पीछे रह जाएंगे. वहीं, अगर अरब-नेतृत्व वाली पार्टियां विपक्ष का समर्थन करती हैं, तो विपक्ष 67 सीटों तक पहुंच सकता है. इस गणित की वजह से बातचीत में अरब-नेतृत्व वाली पार्टियां अहम हो गई हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि विपक्ष की सरकार बन ही जाएगी. चुनाव प्रचार के दौरान, यहूदी विपक्ष के कई नेताओं ने अरब पार्टियों के साथ गठबंधन करने का विरोध किया था, जबकि नेतन्याहू ने भी उनके समर्थन पर निर्भर रहने से इनकार कर दिया है.



जॉइंट लिस्ट जो इजराइल में अरब-बहुसंख्यक राजनीतिक दलों का एक गठबंधन है, 2015 के चुनाव से पहले हदाश, बलाद, राआम और ताल ने मिलकर बनाया था. इसके बावजूद, इस गठबंधन ने नेतन्याहू को सत्ता से हटाने में मदद करने की इच्छा जताई है. इससे आइसेनकोट पर यह तय करने का दबाव बढ़ गया है कि क्या उन्हें उन पार्टियों के साथ बातचीत करनी चाहिए, जिनकी राष्ट्रीय पहचान और फिलिस्तीनी मुद्दे पर उनसे बिल्कुल अलग राय है. इजराइल के लिए इन चुनावों के क्या मायने हैं - इन चुनावों ने नेतन्याहू के इस दावे को कमजोर कर दिया है कि उनकी सरकार अपने आप बनी रहेगी, भले ही लिकुड अभी भी सबसे बड़ी पार्टी बनी हुई है. उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वे विपक्ष को अपनी संसदीय ताकत और अरब पार्टियों के समर्थन को एक साथ लाने से रोकें. यह फर्क समझना जरूरी है. नेतन्याहू अपने राजनीतिक करियर में कई संकटों से उबर चुके हैं. इससे पहले भी उनके विरोधी, जनता की नाराजगी को एक मजबूत गठबंधन सरकार में बदलने में नाकाम रहे हैं. छोटी पार्टियों के साथ बातचीत करने, धार्मिक गुटों का समर्थन बनाए रखने और अपने विरोधियों के बीच मौजूद मतभेदों का फायदा उठाने की उनकी क्षमता अभी भी अहम है. साथ ही, इन नतीजों ने उनकी राजनीतिक रणनीति की सीमाएं भी उजागर कर दी हैं. जो सरकार बहुत मामूली संसदीय बहुमत पर टिकी हो, उसे सैन्य सेवा से छूट, बस्तियों से जुड़ी नीति, बजट और गाज़ा के भविष्य जैसे मुद्दों पर फिर से अस्थिरता का सामना करना पड़ सकता है. जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज में सेंटर ऑफ वेस्ट एशियन स्टडीज के एसोसिएट प्रोफेसर मुदस्सिर कमर के अनुसार, अभी स्थिति यह है कि किसी भी पार्टी या गठबंधन को बहुमत नहीं मिला है, लेकिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाले गठबंधन को सबसे ज्यादा सीटें मिली हैं. कमर ने ईटीवी भारत से कहा, 'लेकिन यह अभी भी बहुमत के आंकड़े से कम है, जिसका मतलब है कि सरकार बनाने के लिए उन्हें किसी दूसरी पार्टी या छोटे समूह के समर्थन की जरूरत होगी.' उन्होंने आगे कहा, 'सबसे बड़े गठबंधन के नेता के तौर पर, इजरायल के राष्ट्रपति सरकार बनाने के लिए सबसे बड़े गठबंधन के नेता को आमंत्रित करेंगे, जो कि नेतन्याहू का गठबंधन है. इसलिए, प्रधानमंत्री नेतन्याहू के नेतृत्व में सरकार बनेगी. उन्होंने बताया कि इसके बाद नेतन्याहू को अपना बहुमत साबित करना होगा. कमर ने कहा, 'अगर वह बहुमत साबित करने में विफल रहते हैं, तो फिर दूसरे गठबंधन या पार्टी के नेता को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया जाएगा. उन्हें भी अपना बहुमत साबित करना होगा. इस बीच, जब तक नई सरकार नहीं बन जाती, तब तक नेतन्याहू कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रहेंगे. कमर ने बताया कि देश में हंग पार्लियामेंट (त्रिशंकु संसद) जैसी स्थिति है. उन्होंने समझाया, 'जब तक कोई एक पार्टी या गठबंधन बहुमत साबित नहीं कर देता, तब तक एक कार्यवाहक सरकार बनी रहेगी. चुनावों में अरब समुदाय की ऐतिहासिक भागीदारी के कारण, अरब पार्टियां एक बेहतर स्थिति में आ गई हैं, हालांकि मैं उन्हें किंगमेकर तो नहीं कहूंगा. कमर ने आगे कहा कि इजराइल की कोई भी पार्टी अरब समुदाय के पूर्ण समर्थन और भागीदारी के साथ सरकार नहीं बनाना चाहेगी, क्योंकि ऐसा करना मुश्किल होगा. उन्होंने कहा, 'इसके लिए कुछ ऐसे समझौते करने पड़ सकते हैं, जिनके लिए शायद वे तैयार न हों. इसलिए, अब देखना होगा कि आगे क्या होता है।

रूसी ड्रोन से बचने गैस पाइपलाइनों में छिपे यूक्रेनी सैनिक

कीव, एजेंसी। रूस-यूक्रेन जंग अब अपने पांचवे साल में हैं। ऐसे में रूस के लगातार ड्रोन हमलों ने यूक्रेन के सैनिकों के लिए जमीन पर खुलेआम चलना मुश्किल कर दिया है। वे पुरानी गैस पाइपलाइनों के अंदर छिपकर रह रहे हैं। करीब 4 फीट चौड़ी इन सुरंगों में सैनिकों को कई हफ्तों से लेकर दो महीने तक गुजारने पड़ते हैं। कभी रूस से यूरोप तक गैस पहुंचाने वाली ये पाइपलाइन अब यूक्रेनी सैनिकों को खाना, हथियार और दूसरी जरूरी चीजें पहुंचाने का रास्ता बन गई हैं।

रूस ने पहले किया था पुरानी पाइपलाइनों का इस्तेमाल : यूक्रेन के कुपियांस्क इलाके में पुरानी गैस पाइपलाइनों का करीब 129 किलोमीटर लंबा नेटवर्क है। पिछले साल के आखिर में रूसी सैनिक इन्हीं पाइपलाइनों के जरिए कुपियांस्क में घुसने में कामयाब हुए थे। इसके बाद यूक्रेनी सेना ने भी जमीन के नीचे से जवाबी कार्रवाई की योजना बनाई। इसके बाद यूक्रेन की नेशनल गार्ड की खुफिया इकाई ने इन पाइपलाइनों के नक्शे जुटाए। साथ ही, इन्हें बनाने वाले पुराने गैस विशेषज्ञों की मदद से भूमिगत रास्तों का इस्तेमाल करने की योजना तैयार की। इसके बाद पाइपलाइनों में हवा पहुंचाने के लिए वेंटिलेशन सिस्टम लगाया गया। यह इस पूरे काम का सबसे मुश्किल हिस्सा था।

दिन में पहुंचता है खाना और गोला-बारूद : इन पाइपलाइनों के जरिए सैनिकों तक खाना और गोला-बारूद पहुंचाया जाता है। इसके लिए छोटी इलेक्ट्रिक गाड़ियों का इस्तेमाल होता है। दिन में इन गाड़ियों से जरूरी सामान अंदर भेजा जाता है, जबकि रात में खुदाई से निकली मिट्टी की बोरियां बाहर लाई जाती हैं। सैनिक सिर्फ रात में ही कुछ समय के लिए बाहर निकल पाते हैं।

सैनिक संकरे रास्तों के कारण घुटनों पर रेंगते हैं : इन पाइपलाइनों के अंदर सैनिकों को काफी मुश्किल हालात में रहना पड़ता है। रास्ते इतने संकरे हैं कि उन्हें झुककर या घुटनों के बल रेंगते हुए आगे बढ़ना पड़ता है। वहां न सूरज की रोशनी पहुंचती है और न ही ताजी हवा मिलती है। शौचालय के लिए सैनिक प्लास्टिक के बैग और बोतलों का इस्तेमाल करते हैं। पाइपलाइनों में गैस के बचे हुए अंश, धूल और हवा की कमी भी उनके लिए खतरा पैदा करती है।

थर्मल इमेजिंग की वजह से पकड़े जाना आसान : ड्रोन और थर्मल इमेजिंग तकनीक ने खुले मैदान में सैनिकों की आवाजाही को बेहद खतरनाक बना दिया है। थर्मल इमेजिंग की मदद से ड्रोन जमीन पर मौजूद लोगों के शरीर की गर्मी पहचान सकते हैं।

ऐसे में सैनिकों के लिए छिपकर आगे बढ़ना भी आसान नहीं रह गया है। इसी वजह से यूक्रेन अपनी सेना के ठिकानों, निगरानी चौकियों और सामान रखने वाले केंद्रों को आपस में जोड़ने के लिए भूमिगत सुरंगों का नेटवर्क बनाने की संभावनाएं तलाश रहा है।

अटलांटा में जी20 विदेश मंत्रियों की वार्ता बेनतीजा खत्म, यूक्रेन युद्ध पर मतभेद से संयुक्त बयान अटका

अटलांटा, एजेंसी। दुनिया की 20 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के समूह जी20 के शीर्ष राजनयिक दो दिन की वार्ता के बाद शनिवार को कई अहम वैश्विक सुरक्षा मुद्दों पर आम सहमति बनाने में नाकाम रहे। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर मतभेदों का असर अटलांटा में हुई बैठक की शुरुआत से ही दिखाई दिया। इस कारण समूह ने संयुक्त बयान जारी नहीं किया।

इसके बजाय अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बैठक के बाद अध्यक्ष का बयान जारी किया, जिसमें चर्चा का सार और ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा तथा समुद्री मार्गों से आवागमन की स्वतंत्रता जैसी प्राथमिकताओं का उल्लेख किया गया। इसमें किसी सहमति या समझौते की जानकारी नहीं दी गई। रुबियो ने कहा कि इन समस्याओं के सर्वमान्य समाधान के करीब पहुंचने का दावा नहीं किया जा सकता।

हालांकि, उन्होंने कहा कि जी20 के कुछ देश आपूर्ति श्रृंखला और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में मिलकर काम कर रहे हैं। रुबियो ने शुक्रवार को एकता की अपील के साथ वार्ता शुरू की थी, लेकिन रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की मौजूदगी पर यूरोपीय राजनयिकों की आपत्ति के बाद विदेश मंत्रियों की पारंपरिक 'समूह तस्वीर' (ग्रुप फोटो) रद्द कर दी गई। यूरोपीय प्रतिनिधियों ने तस्वीर का बहिष्कार करने की चेतावनी दी थी।

पोलैंड के विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की ने कहा कि युद्धों में शामिल देशों के एक साथ मेज पर होने के कारण साझा रुख पर सहमति बनाना मुश्किल है। राजनयिकों के अनुसार, रूस-यूक्रेन युद्ध, ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल का युद्ध, अमेरिकी शुल्क और दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियों को लेकर मतभेद बने हुए हैं। बैठक के दौरान ईरान में अमेरिका के नए सैन्य हस्तक्षेप की आशंका भी चर्चा में रही। इससे सऊदी अरब सहित पूरे क्षेत्र में चिंता बढ़ी है। रुबियो ने शुक्रवार को सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान और तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान से मुलाकात की थी।

'नेपाल: ट्रेकिंग के दौरान छह भारतीय पर्यटक लापता, भारी बर्फबारी के बीच सेना ने शुरू किया रेस्क्यू ऑपरेशन

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के हिमालयी क्षेत्र में भारी बर्फबारी के बाद छह भारतीय पर्यटक लापता हो गए हैं। इनमें दो महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। सभी पर्यटक नेपाल की सबसे गहरी झीलों में से एक शे-फोक्सुंडो की ट्रेकिंग पर निकले थे। अधिकारियों ने समाचार एजेंसी एएनआई को इसकी पुष्टि की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पर्यटक डोल्पो बुद्ध ग्रामीण नगरपालिका के वार्ड नंबर चार और आठ से झील की ओर जा रहे थे। उन्हें आखिरी बार शे-फोक्सुंडो ग्रामीण नगरपालिका के वार्ड चार और आठ के बीच स्थित नुमला पास और बागला पास के इलाकों में देखा गया था।

अभी क्यों हुई बर्फबारी : स्थानीय गाइडों को आशंका है कि बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रहे चक्रवात अर्नब के प्रभाव से हुई भारी बर्फबारी के कारण पर्यटक पहाड़ों में फंस गए हैं। बताया जा



रहा है कि स्थानीय लोगों ने उन्हें खराब मौसम और पहाड़ी दर्रों में खतरनाक परिस्थितियों को देखते हुए आगे नहीं बढ़ने की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद पर्यटकों ने अपनी यात्रा जारी रखी। माना जा रहा है कि ऊंचाई वाले इलाके से लौटते समय वे बर्फ में फंस गए। डोल्पा की मुख्य जिला अधिकारी जुनू हमाल ने बताया कि पर्यटक फोक्सुंडो झील की ओर लौटते समय रास्ते में फंस गए। उन्होंने कहा कि आगे बढ़ने से पहले स्थानीय लोगों ने उन्हें मौसम और पहाड़ी रास्तों की कठिन परिस्थितियों के बारे में आगाह किया था।

पर्यटकों से संपर्क करना मुश्किल क्यों : शे-फोक्सुंडो ग्रामीण नगरपालिका के अध्यक्ष धावा समदुक गुरंग ने बताया कि पहाड़ी दर्रों में मोबाइल नेटवर्क नहीं रहता। इससे लापता पर्यटकों से संपर्क करना मुश्किल हो रहा है। उनके मुताबिक वार्ड चार और आठ के बीच मोबाइल फोन सेवा नहीं है। ऐसे में पर्यटकों की मौजूदा स्थिति और उनके ठिकाने के बारे में जानकारी जुटाना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। लापता पर्यटकों की तलाश के लिए प्रशासन ने रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया है। हालांकि, भारी बर्फबारी और खराब मौसम के कारण ऊंचाई वाले इलाकों में बचाव अभियान प्रभावित हो रहा है। डोल्पा पुलिस उपाधीक्षक अनिल राज गिरि ने बताया कि ताजा जानकारी के मुताबिक, सभी छह भारतीय पर्यटकों से संपर्क नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने संबंधित एजेंसी से बचाव अभियान में मदद के लिए हेलीकॉप्टर की व्यवस्था करने का अनुरोध किया है। लापता पर्यटकों का पता लगाने और उन्हें सुरक्षित निकालने के लिए नेपाली सेना की एक टीम भी तैनात की गई है। मोबाइल नेटवर्क की अनुपलब्धता, भारी बर्फ और दुर्गम पहाड़ी रास्तों के कारण बचाव दलों को पर्यटकों की सटीक लोकेशन पता लगाने में मुश्किल हो रही है। जिला प्रशासन कार्यालय के अनुसार, अपर डोल्पा पहुंचने वाले पर्यटकों की संख्या 244 है। इनमें 149 नेपाली नागरिक, सार्क देशों के 44 पर्यटक और अन्य देशों के 51 पर्यटक शामिल हैं।

'इस्राइल जनादेश: पीएम चुनने का विधेयक ला सकता है विपक्षी दल, बदू महिलाओं ने कैसे पलटा नेतन्याहू का चुनावी पासा?

यरूशलम, एजेंसी। उम्म खालिद फतून पिछले साल युद्ध पीड़ितों के लिए बने एक यहूदी-अरब सहायता केंद्र में स्वयंसेवा करके लौटीं तो उन्होंने देखा कि बुलडोजर अजारनुग गांव में उनके बेटे के घर को ढहा रहे थे। पुलिस की निगरानी में आई टीम ने घर पर बुलडोजर चलाने से पहले फर्नीचर या सोलर पैनल तक हटाने का मौका नहीं दिया। अब, इस हफ्ते जब फतून को मौका मिला तो उन्होंने अपनी नाराजगी का जवाब इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सत्तारूढ़ गठबंधन के खिलाफ मतदान करके दिया। उनका सीधा निशाना राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री बेन-ग्विर थे जिन्होंने फलस्तीनी और अरब समुदाय के लोगों के घरों को व्यापक स्तर पर ढहाने का आदेश दिया था। फतून कहती हैं, बेन-



ग्विर को सत्ता से बाहर करना ही मेरा एकमात्र मकसद था। बदू समुदाय में ऐसा एक भी परिवार नहीं है जो हमारे खिलाफ उसके अभियानों से पीड़ित न हुआ हो। चुनाव से कुछ हफ्ते पहले फतून ने बदू महिलाओं को उनके अधिकारों और राजनीतिक ताकत के प्रति जागरूक करने के लिए जमीनी स्तर पर बाकायादा अभियान शुरू किया। इसके शानदार नतीजे भी दिखे, और चुनाव में दक्षिणी नेगेव इलाके के कुछ बदू गांवों में मतदान प्रतिशत तीन गुना तक बढ़ गया।

हमें अपने हर वोट की ताकत झोंकनी होगी : अल-नश्मियात अभियान का नेतृत्व करने वाली वकील हनान अलसनाह ने कहा, वर्षों के हिंसक शासन ने इस रूढ़िवादी समुदाय में बदलाव का दरवाजा खोल दिया है। हमने महिलाओं से कहा कि भले सभी पुरुष वोट दें फिर भी समुदाय का आधा हिस्सा ही होंगे। आपको अपने हर वोट की ताकत चाहिए, क्योंकि बेन-ग्विर के पास बहुत ताकत है।

62% से 93% तक दर्ज की गई वोटिंग : बदू समुदाय इस्राइली संसद नेसेट में अरब पार्टियों को 19 सीटें दिलाकर किंगमेकर की भूमिका में ला दिया। बदू समुदाय में सबसे कम मतदान 62% रहा, जबकि सबसे ज्यादा मतदान 93% दर्ज किया गया। उनके उत्साह से ही रआम पार्टी को चुनावी अनुमानों से काफी अधिक सफलता मिली। इस्राइल में सरकार गठन में राजनीतिक गतिरोध को तोड़ने के लिए विपक्षी गुट अरब पार्टियों के समर्थन पर निर्भर रहे बिना अल्पमत सरकार बनाने के लिए सीधे प्रधानमंत्री चुनने से संबंधित विधेयक लाने पर विचार कर रहा है। यह प्रस्ताव लागू होने पर मतदाता सरकार से अलग सीधे पीएम पद के लिए वोट डाल सकेंगे।

ट्रम्प की नेतन्याहू से फोन पर बात:बाद में बोले- ईरान के 1-2 ठिकाने और उड़ाना बाकी



वॉशिंगटन डीसी/तेल अवीव, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से शनिवार को फोन पर बातचीत की। यह जानकारी वॉल स्ट्रीट जर्नल ने दी। इसके बाद रविवार को ट्रम्प ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े एक या दो ठिकाने अभी उड़ाना बाकी हैं। इनमें पिकैक्स माउंटेन भी शामिल है। वहीं, अमेरिकी न्यूज चैनल एमएस नाउ ने बताया कि वॉशिंगटन ने खाड़ी देशों को ईरान पर नए हमलों के लिए तैयार रहने को कहा है। ये हमले 4 नवंबर से शुरू हो सकते हैं। यह तारीख अमेरिका में मिडटर्म चुनाव के अगले दिन की है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका ने हाल के हफ्तों में पश्चिम एशिया में हवाई सुरक्षा सिस्टम, गोला-बारूद और सैन्य उपकरणों की तैनाती बढ़ाई है। साथ ही, उसने अपने सैनिकों और सैन्य सामान को उन ठिकानों से दूसरी जगह भेजना शुरू कर दिया है, जहां ईरान हमला कर सकता है। अमेरिकी रक्षा अधिकारियों का मानना है कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड और इजराइल ने हमले की तैयारी कर ली है। इजराइली न्यूज चैनल चैनल 12 के मुताबिक, पिछले हफ्ते अमेरिका के 10 सैन्य मालवाहक विमान इजराइल पहुंचे थे। इनमें हवाई हमलों से बचाव के लिए जरूरी उपकरण होने की बात कही जा रही है। इनका इस्तेमाल क्षेत्र में अमेरिकी और उसके सहयोगी देशों के सैन्य ठिकानों की सुरक्षा के लिए किया जाएगा। इससे पहले, दो हफ्ते पहले इजराइल के कई लड़ाकू विमानों ने ईरान की सीमा तक उड़ान भरी थी और फिर वापस लौट आए थे। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, यह एक सैन्य अभ्यास का हिस्सा था। ट्रम्प इन दिनों 3 नवंबर को होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के आखिरी प्रचार अभियान में जुटे हैं। इन चुनावों में अमेरिकी संसद के लिए प्रतिनिधि चुने जाएंगे। ईरान के साथ युद्ध और अमेरिका में ईंधन की बढ़ती कीमतें रिपब्लिकन पार्टी के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं। ट्रम्प चुनाव के आखिरी दिनों में अपनी पार्टी के समर्थन को बढ़ाना चाहते हैं। इसी वजह से अमेरिका ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की तारीख आगे बढ़ाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान भी अमेरिकी चुनाव से पहले बातचीत को जानबूझकर लंबा खींच रहा है।

'एस.जयशंकर: 'क्वाड देशों में चुनने की आजादी जरूरी', सप्लाई चेन और आर्थिक सुरक्षा पर और क्या बोले विदेश मंत्री?

अटलांटा , एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को क्वाड के लिए 'चुनने की स्वतंत्रता', मजबूत सप्लाई चेन और गैर-बाजार प्रथाओं के खिलाफ कार्रवाई को मुख्य प्राथमिकता बताया। इसके साथ ही, उन्होंने इस समूह के एजेंडे के लिए एक अधिक समकालीन और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने की वकालत की। अटलांटा में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद, एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में जयशंकर ने उन प्रमुख मुद्दों का जिक्र किया, जिन पर उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, जापानी विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ चर्चा की थी।

जयशंकर ने क्या कहा : समूह की प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, 'हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखना, समृद्धि को बढ़ावा देना और पसंद की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना हमारी निरंतर प्रतिबद्धताएं हैं।' उन्होंने टेक्नोलॉजी, महत्वपूर्ण खनिजों और ऊर्जा क्षेत्रों में मजबूत सप्लाई चेन बनाने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बेहतर सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

गैर-बाजार प्रथाओं का भी किया जिक्र : जयशंकर ने चर्चा के दौरान उठाई गई प्राथमिकताओं में इंडो-पैसिफिक में गैर-बाजार



प्रथाओं का मुकाबला करने और बढ़ते आर्थिक दबावों को भी शामिल किया। हालांकि, उनकी पोस्ट में किसी देश का नाम नहीं लिया गया और न ही यह बताया गया कि किन विशिष्ट प्रथाओं की बात हो रही है। क्षेत्रीय सुरक्षा के संदर्भ में, उन्होंने आतंकवाद-रोधी, समुद्री सुरक्षा और क्षमता निर्माण से जुड़े मौजूदा समझौतों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया, ताकि मजबूती बढ़ाई जा सके और शांति व स्थिरता को समर्थन मिले।

एआई को लेकर क्या चर्चा हुई : मंत्रियों ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भरोसेमंद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तक पहुंच बेहतर बनाने के लिए 85 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की तकनीकी और वित्तीय सहायता देने की इच्छा जताई। इसमें 'क्वाड एआई एक्सेलेरेटर' के माध्यम से दी जाने वाली मदद भी शामिल है। विज्ञप्ति में सुपर इंटेलिजेंस का भी जिक्र किया गया है, जिसके साथ एक फुटनोट में स्पष्ट किया गया है कि यह शब्द भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संबंधित है। मंत्रियों ने भारत और आसियान देशों में कचरे से महत्वपूर्ण खनिज निकालने की सुविधाओं के लिए वाशिंगटन द्वारा 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर देने के वादे का स्वागत किया। यह राशि केवल भारत के लिए नहीं है। ये चारों साझेदार देश, इलेक्ट्रॉनिक कचरे और कबाड़ से खनिज निकालने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि किसी एक आपूर्तिकर्ता पर निर्भरता कम की जा सके। वे रीसाइकल होने वाली सामग्रियों को एक देश से दूसरे देश भेजने की प्रक्रिया को और सरल बनाने के तरीकों पर भी विचार करेंगे। समुद्री सहयोग के तहत, चारों देशों के प्रतिनिधियों ने 25 सितंबर से 7 अक्तूबर के बीच चेन्नई से पर्थ तक भारतीय तटरक्षक बल के एक गश्ती जहाज पर यात्रा की। क्वाड में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। इनका सहयोग समुद्री और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक समृद्धि, महत्वपूर्ण व उभरती प्रौद्योगिकियों, तथा मानवीय सहायता और आपातकालीन प्रतिक्रिया जैसे क्षेत्रों में फैला हुआ है। इसके साथ ही विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि भारत ने जी20 को बताया कि ऊर्जा आपूर्ति का राजनीतिकरण बहुत हानिकारक है।



बचे हुए खाने को कभी न करें बर्बाद! अपनाएं ये स्मार्ट किचन हैक्स

ताजा खाना खाने से सेहत भी बढ़िया होती है। लेकिन घर में हर बार नाप-तौल के खाना बनाना थोड़ा मुश्किल होता है। इसलिए बचे हुए खाने को कभी भी बर्बाद न करें, इससे अच्छा है कि लेफ्टओवर का फूड यूज कर सकते हैं। जब आपका खाना बनाने का मन न करें तो इन आसान तरीकों से लेफ्टओवर फूड को का इस्तेमाल कर सकते हैं।

लेफ्टओवर की करें प्लानिंग

कई बार होता है कि बाहर किसी काम से हमें कहीं जाना होता है, तो फिर घर लौटकर खाना बनाने में दिक्कत होती है। ऐसे में आप अपनी मनपसंद रेसिपी ज्यादा मात्रा में तैयार करके रख लें। फिर इसे फ्रिज में स्टोर करके रख दें, अब आपको खाना पकाने की कोई चिंता नहीं होगी। आप चाहे तो चीला या डोसा के लिए ज्यादा बैटर बनाकर स्टोर करके रख सकते हैं या फिर बिना सिकी हुई पैटी या उबले आलू।

ये चीजें लगती हैं ज्यादा टेस्टी

रात या दोपहर का खाना बच ही जाता है, ऐसे में आप अगली मील की प्लानिंग में बचे हुए खाने का इस्तेमाल कर सकते हैं। कुछ चीजें दोबारा गर्म करके खाने और पीने में ज्यादा टेस्टी लगती है, जैसे कि सूप, दाल, करी, रोस्ट की गई सब्जियां।

पारदर्शी कंटेनर में स्टोर करें

अक्सर होता है कि हम सभी खाना फ्रिज में रखकर भूल जाते है। इसलिए हमेशा कांच के पारदर्शी लंच बॉक्स या मैसन जार में खाना स्टोर करें। यह आपको फ्रिज खोलते ही नजर आने लगेंगे।

बचे हुए खाना से नई रेसिपी बनाएं

अगर आपका खाना बच जाता है, तो आप अगले मील के लिए इसे खा सकते हैं। कुछ रेसिपी बनाकर बचा हुआ खाना बना सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, बची हुई सब्जियों को ऑमलेट या फिर चीले में इस्तेमाल करें। सलाद में उबले हुए काबुली चना डाल दें। बचे हुए चावल से फ्राइड राइस या फिर एग राइस बना सकते हैं। इसके अलावा, आप लेफ्टओवर फूड को नए रुप में सर्व करके डिशेज बना सकते हैं। इस तरह से आप बचा हुआ खाने को खत्म कर सकते हैं।

गुड़ की चाय फटने की टेंशन खत्म! आजमाएं ये सीक्रेट टिप्स, बनेगी लाजवाब



चाय लवर हर मौसम में इसे स्वाद से पीते हैं। चाहे गर्मी हो या सर्दी चाय की लत वाले इसे खूब पीते है। चाय के दीवाने चिलचिलाती धूप में बड़े चाव से चाय पीने के शौकीन होते है। इस मौसम में या फिर सर्दियों के दौरान गुड़ की चाय पीने का एक अलग ही मजा होता है। यह स्वाद के साथ ही काफी हेल्दी होती है। लेकिन कई बार गुड़ की चाय बनाने के फट जाती है। अगर आप इसे सही तरीके से बनाएंगे तो यह कभी नहीं फटेगी। आइए आपको बताते हैं किन तरीकों से बनाएं गुड़ की टी।

सही समय पर दूध डलना जरुरी

कई लोग गुड़ की चाय बनाते समय बड़ी गलती यह करते हैं कि गुड़ के साथ ही तुरंत दूध डाल देते हैं। गुड़ को चाय के पानी में घोलते ही दूध डालें। पहले चाय के पानी में गुड़ को अच्छे से घुलने दें और इसे एक-दो उबाल आने दें। फिर गैस बंद कर दें या आंच को धीमी कर दें। चाय का तापमान कम होने बाद ही दूध को डालें।

पहले दूध को गर्म करें

अगर आप ठंडा या सामान्य तापमान का दूध उबलते हुए गुड़ वाले पानी में डल रहे, तो यह आपके चाय को फाड़ देगी। इसलिए आप दूसरे बर्नर पर दूध को गर्म करके डाल दें। इसके बाद आप गुड़ वाला घोल तैयार होने के बाद इसमें गर्म दूध को धीरे-धीरे मिश्रण में डालें। इसके अलावा, नकली गुड़ से बचें, इनमें केमिकल भरा होता है। इसलिए आप भूरा या काले रंग वाल गुड़ खरीदें। जिससे चाय अच्छी बनेंगी।

कैसे बनाएं गुड़ वाली चाय

» इसके लिए एक पैन में पानी लें और उसमें अदरक, इलायची या अन्य मसाले कूटकर डाल दीजिए।

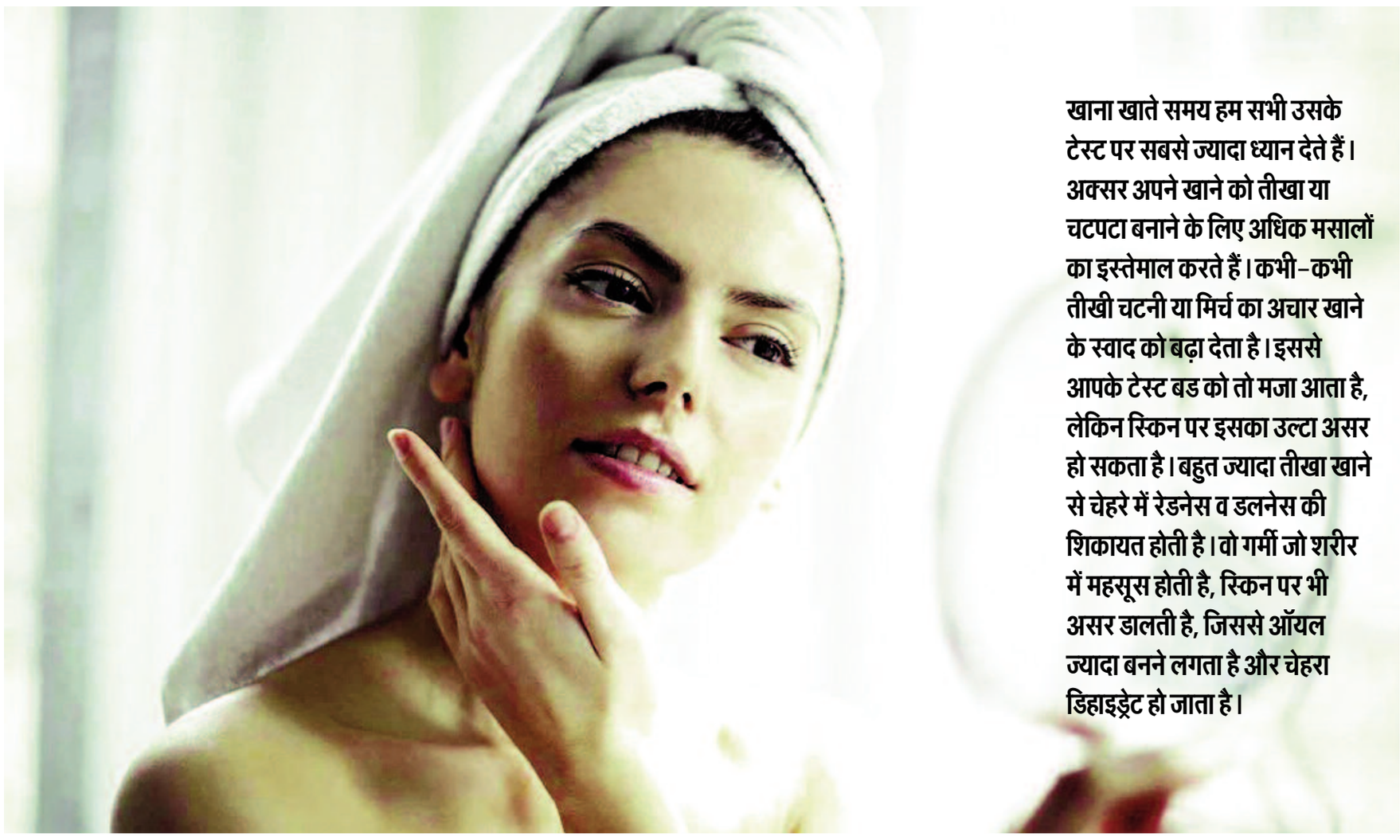
» जब पानी उबलने लगे, तो बारीक कटा हुआ गुड़ डालें और उसे पूरी तरह से घुलने दें।

» इसके बाद आप गुड़ चाय पत्ती डालें और चाय को अच्छी तरह से 2-3 मिनट तक उबलने दें, ताकि मसाला और गुड़ का स्वाद पानी में पूरी तरह आ जाए।

» चाय का बेस जब कड़क हो जाए, तो गैस बंद कर दें या आंच बिल्कुल धीमी कर दें।

» इसके बाद आप दूसरे पैन में गर्म किया हुआ उबला हुआ दूध इस गुड़ वाले मिश्रण में धीरे-धीरे मिलाएं।

» इस मिश्रण को एक बार फिर हल्का सा आंच पर रखें और सिर्फ एक उबाल आने दें। उबाल आते ही तुरंत गैस बंद चाय को छान लें।



खाना खाते समय हम सभी उसके टेस्ट पर सबसे ज्यादा ध्यान देते हैं। अक्सर अपने खाने को तीखा या चटपटा बनाने के लिए अधिक मसालों का इस्तेमाल करते हैं। कभी-कभी तीखी चटनी या मिर्च का अचार खाने के स्वाद को बढ़ा देता है। इससे आपके टेस्ट बड को तो मजा आता है, लेकिन स्किन पर इसका उल्टा असर हो सकता है। बहुत ज्यादा तीखा खाने से चेहरे में रेडनेस व डलनेस की शिकायत होती है। वो गर्मी जो शरीर में महसूस होती है, स्किन पर भी असर डालती है, जिससे ऑयल ज्यादा बनने लगता है और चेहरा डिहाइड्रेट हो जाता है।

मसालेदार खाना खाकर चेहरा दिखने लगा है डल, तो इन आसान घरेलू नुस्खों से मिनटों में पाएं दमकती स्किन

ऐसे में अधिकतर लोग सोचते हैं कि उन्हें अपने पसंदीदा मसालेदार खाने से दूरी बनानी पड़ेगी। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। अगर आप चाहें तो अपने पसंदीदा खाने का लुत्फ उठाते हुए भी ग्लोइंग स्किन पा सकती हैं। बस जरूरत है कुछ आसान स्किनकेयर स्टेप्स अपनाने की। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ आसान तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जो मसालेदार खाने के बाद चेहरे की डलनेस को दूर करने में मदद करेंगे-

भरपूर पानी पीएं

अगर आप अपनी स्किन के खोए हुए ग्लो को वापिस पाना चाहती हैं तो ऐसे में आपको भरपूर मात्रा में पानी पीना चाहिए। दरअसल, मसालेदार खाना खाने से शरीर में पसीना और गर्मी बढ़ जाती है, जिससे शरीर का पानी कम होने लगता है। इसी डिहाइड्रेशन की वजह से स्किन रूखी, डल और बेजान नजर आने लगती है। इसलिए दिनभर में भरपूर पानी पीएं। इसके अलावा, नारियल पानी पीना भी काफी अच्छा रहता है। नारियल पानी से हाइड्रेशन के साथ-साथ इलेक्ट्रोलाइट्स भी मिलते हैं, जिससे स्किन की नमी भीतर से बनी रहती है।

लगाएं कूलिंग फेस मास्क

मसालेदार खाने के बाद स्किन को सुकून और नमी की जरूरत होती है। इसलिए, आपको एलोवेरा, खीरा या दही से बने मास्क को स्किन पर अप्लाई करना चाहिए। यह स्किन को ठंडक देने के साथ-साथ जलन कम करता है। मास्क बनाने के लिए आप दो चम्मच दही के साथ एक चम्मच एलोवेरा जेल और कुछ बूंदे गुलाबजल मिक्स करके अप्लाई करें। करीबन 15-20 मिनट बाद ठंडे पानी से चेहरो धो लें। इससे स्किन को ठंडक, नमी व ग्लो मिलता है।

हाइड्रेटिंग टोनर या गुलाबजल से करें स्प्रे

मसालेदार खाने से शरीर में गर्मी बढ़ने लगती है। गर्मी बढ़ने से स्किन की नमी जल्दी उड़ जाती है। ऐसे में गुलाबजल या टोनर लगाने से फायदा मिलता है। इससे चेहरा तुरंत ठंडा और फ्रेश लगता है, साथ ही पीएच बैलेंस भी बना रहता है। इसलिए, दिनभर में 2-3 बार गुलाबजल स्प्रे करें। इससे स्किन की नमी बनी रहती है। साथ ही, वह फ्रेश महसूस होती है।

फूड क्रेविंग्स से हेल्थ को हो सकता है नुकसान, इसे रीसेट करने के लिए आजमाएं ये आसान ट्रिक्स

हम सभी को अक्सर फूड क्रेविंग्स होती ही हैं। कभी-कभी कुछ मीठा खाने का मन होता है तो कभी हम कुछ चटपटा खाते हैं। जब यह क्रेविंग्स होती हैं तो हम खुद को रोक ही नहीं पाते हैं। अचानक से मन करता है कि अभी चॉकलेट चाहिए, बस अभी! ऐसे में अक्सर हम अपना फ्रिज टटोलने लग जाते हैं या फिर बाहर अपना पसंदीदा फूड खाने के लिए निकल जाते हैं। हो सकता है कि आप भी अपने टेस्ट बड अैर फूड क्रेविंग्स की वजह से परेशान हो और इससे आपकी सेहत को लगातार नुकसान हो रहा हो। हालांकि, ऐसे में आपको परेशान होने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो अपनी फूड क्रेविंग्स को आसानी से रीसेट कर सकती हैं। बस आपको अपना माइंडसेट बदलने की जरूरत है और कुछ छोटी-छोटी आदतों को अपाने की जरूरत है। जब आप ऐसा करते हैं तो क्रेविंग्स आप पर हावी नहीं हो पाएंगी। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही आसान तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप फूड क्रेविंग्स को आसानी से रीसेट कर सकते हैं-

पहले पीएं पानी - अगर आपको फूड क्रेविंग्स हो रही हैं, तो ऐसे में कुछ भी खाने से पहले एक पूरा गिलास पानी पियो और फिर 10 मिनट के लिए रुक जाओ। इससे कई बार आपकी क्रेविंग्स खुद ब खुद खत्म हो जाती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि कई बार शरीर की प्यास को दिमाग भूख समझ लेता है। पानी पीने से शरीर हाइड्रेट होता है, झूठी भूख की फीलिंग कम होती है और आप बेवजह की स्नैकिंग से बच पाते हैं।

नींद के साथ समझौता नहीं - अक्सर लोग पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं और इससे भी उनकी फूड क्रेविंग्स बढ़ने लगती हैं। दरअसल, कम नींद लेने से घ्रेलिन हार्मोन बढ़ता है और लेप्टिन हार्मोन घटता है। यही असंतुलन जंक फूड की क्रेविंग बढ़ाता है, खासकर कार्ब्स और मिठाइयों की क्रेविंग्स कई गुना बढ़ने लगती है। इसलिए रोज़ाना 7-8 घंटे की गहरी अवश्य लें।

करें माइंडफुल ईटिंग - अगर आप बेवजह की फूड क्रेविंग्स से बचना चाहती हैं तो ऐसे में माइंडफुल ईटिंग करना यकीनन काफी अच्छा रहता है। आप हमेशा धीरे-धीरे खाएं और बिना किसी डिस्ट्रैक्शन के खाना खाएं। दरअसल, जब आप माइंडफुल ईटिंग करते हैं तो ऐसे में दिमाग को समझ आता है कि पेट भर गया है। जल्दी-जल्दी खाने से ये सिग्नल कन्फ्यूज हो जाते हैं और बाद में दोबारा कुछ खाने का मन करता है, भले ही पेट भरा हो।





पाचन शक्ति बढ़ाएगा भुना जीरा या जीरा पानी? जानें कौन है सबसे बेहतर उपाय!

खराब जीवनशैली और गलत खानपान के कारण कई बीमारियां शरीर को घेर लेती है। आजकल लोग मोटापे से काफी परेशान हैं। वहीं, कुछ लोगों का डाइजेशन खराब रहता है। पेट भारी होने से उन्हें कुछ भी खाने का मन नहीं होता है। पेट की पाचन क्रिया जबरदस्त रहती है तो शरीर भी हेल्दी रहता है। खाना खाने के बाद भोजन पच नहीं रहा, तो एसिडिटी, गैस और पेट दर्द जैसी परेशानियां होने लगती है। अब आपको जानना बेहद जरुरी है कि भुना जीरा या जीरे का पानी कौन है सबसे बेहतर। आइए आपको बताते हैं-

भुना जीरा के फायदे

- ये डाइजेशन एंजाइम्स को एक्टिव करता है। यह खाना को जल्दी और आसानी से डाइजेस्ट हो जाता है।

- भुना हुआ जीरा खाने से गैस और पेट फूलने की समस्या दूर हो जाती है।

- भुना हुआ जीरा सेवन करने से शरीर को ज्यादा पोषण मिलता हैं।

- इसमें पाए जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट्स आंतों की सूजन कम करते हैं।

कैसे सेवन करें

भुना जीरा को आप अपने खाने में डाल सकती है। इसको आप सलाद, रायता, दही या सब्जी में मिलाकर सेवन कर सकती हैं।

जीरा पानी के फायदे

- जीरा पानी पीने से पेट के एंजाइम्स को एक्टिव करता है, जिससे खाना आसानी से डाइजेस्ट भी हो जाता है।

- जीरा पानी पीने से एसिडिटी और जलन से भी राहत मिलती है।

- ये पानी शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है।

कैसे सेवन करें

आपको सुबह खाली पेट गुनगुना जीरा पानी पीना सबसे बेहतरीन माना जाता है। यह आपके पाचन को बेहतर करता है।

कौन बेहतर है- भुना जीरा या जीरा पानी

अगर आपक हल्की-फुल्की गैस है, तो भुना जीरा का सेवन कर सकते हैं। यदि आपको बार-बार एसिडिटी, कब्ज और पेट फूलने की समस्या हो रही है, तो आपको जीरा पानी का सेवन करना चाहिए। दोनों ही अपने तरीके से फायदेमंद है। आप जैसा चाहे इसका सेवन करें।

हील्स पहनकर पैरों में होता है भयंकर दर्द? इन स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज से पाएं तुरंत आराम!

लड़कियां स्टाइलिंग और फैशन के मामले में किसी भी तरह का समझौता नहीं करती। स्टाइलिश बनाने के लिए कभी-कभी लड़किया दर्द सहने को भी तैयार रहती हैं। ऑफिस, पार्टी और शादी में आउटफिट लुक को परफेक्ट बनाने के लिए महिलाएं हील्स जरुर पहनती है। हील्स पहनना सभी को पसंद है और यह लुक भी गजब का देता है। लंबे समय तक हील्स पहनने से पैरों में दर्द या फिर टखनों में जकड़न की शिकायत होने लगती है। कई बार तो दर्द इतना भंयकर होता है कि चलना-फिरना भी मुश्किल हो जाता है। आइए आपको बताते हैं कुछ स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज के बारे में, जो हील्स पहनने में काफी फायदेमंद रहेगी।

कफ स्ट्रेच - आमतौर पर हील्स पहनने पर पिंडलियों में टाइटनेस आ जाती है। कफ स्ट्रेच करने से उस मसल्स की टाइटनेस को कम करने में मदद करता है। यह ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है। आप चाहे तो वॉल के पास खड़े होकर काफ स्ट्रेच कर सकते हैं। इसे करने के लिए दीवार के सामने सीधे खड़े हो जाएं। अब एक पैर आगे और दूसरा पीछे रखें। पीछे वाला पैर एड़ी के साथ जमीन पर टिका रहे। दोनों हाथ दीवार पर रखकर थोड़ा आगे झुके, जब तक पीछे वाले पैर की पिंडली में खिंचाव न महसूस हो। इसे करीब 20-30 सेकंड ऐसे ही रुको। अब दूसरे पैर से भी इसी तरह स्ट्रेच करें।

फुट आर्च स्ट्रेच -इसे करते समय टॉवल या रेसिस्टेंस बैंड का इस्तेमाल किया जाता है। हील्स पहनने से जो मसल्स टाइट हो जाती है, उन्हें ये स्ट्रेच खोलता है। इसे करने के लिए एक टॉवल या रेसिस्टेंस बैंड लो। इसे अपने पैरों के पंजे में फंसाएं और धीरे-धीरे अपनी तरफ खींचो। ऐसा करने से पैरों के आर्च और एड़ी खिंचाव फील होगा। अपने क्षमतानुसार इसी पोजिशन में रुकें और सामान्य अवस्था में लौट आएं।

एंकल रोल्स -एंकल रोल्स स्ट्रेच को आप कुर्सी पर बैठकर कर सकते हैं। यह आपके एंकल ज्वॉइंट्स को फ्लेक्सिबल बना देता है और पैर की सूजन भी कम हो जाती है। इसे करने के लिए सबसे पहले आप कुर्सी पर बैठ जाएं। अब एक पैर ऊपर उठाओ और एंकल को पहले घड़ी की दिशा



में, फिर उल्टी दिशा में घुमाओ। ऐसे ही दूसरे पैर से भी करें। इस तरह आप दोनो डायरेक्शन में 10-10 बार रोल करें।

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ रैली: छह को देहरादून पहुंचेंगे अमित शाह



देहरादून। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छह नवंबर को देहरादून के परेड ग्राउंड से कार्यकर्ताओं में जोश भरेंगे। इस दौरान शाम को भाजपा कोर कमेटी की बैठक में भी वे शामिल हो सकते हैं। इसकी तैयारी तेज हो गई है। गृह मंत्री शाह छह नवंबर को पहले पुलिस लाइन के कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इसके बाद परेड ग्राउंड में उनकी मौजूदगी में जनसभा होगी। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने बताया कि इस दिन लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ के तहत परेड ग्राउंड में विशाल पदयात्रा का आयोजन होने जा रहा है। इसे केंद्रीय गृहमंत्री संबोधित करेंगे। जिसमें शामिल होने के लिए देहरादून महानगर ऋषिकेश देहरादून ग्रामीण एवं हरिद्वार जनपद से 25 हजार से भी अधिक संख्या में कार्यकर्ता पहुंचने वाले हैं। उन्होंने कहा कि जनता के बीच विपक्ष की झूठी एवं नकारात्मक राजनीति को लेकर जबरदस्त आक्रोश का माहौल है। साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं में भी गृहमंत्री का मार्गदर्शन सुनने को लेकर अभूतपूर्व उत्साह है।

उसे देखते हुए निसंदेह कहा जा सकता है कि जितना जन समर्थन कांग्रेस और विपक्ष समूचे देश भर से दिल्ली में नहीं जुटा पाया, उससे भी अधिक संख्या देहरादून में अभियान के पदयात्री बनेंगे। जनता अच्छी तरह समझ रही है कि लगातार हार से हताश निराश विपक्ष देश की समूची लोकतांत्रिक प्रक्रिया को ही ध्वस्त करना चाहता है। यही वजह है कि देश की तरह देवभूमि की देशभक्ति जनता भी अराजक मानसिकता को जवाब देने और लोकतांत्रिक को समर्थन देने के लिए पदयात्राओं का बढ़–चढ़ कर सहभागी बन रहा है।

स्नो मेकिंग मशीन को फिर शुरू करने के प्रयास

ज्योतिर्मठ। औली में कई वर्षों से बंद पड़ी स्नो मेकिंग मशीन को फिर से चालू करने के लिए गढ़वाल मंडल विकास निगम की ओर से प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए निगम की ओर से मशीनों का तकनीकी निरीक्षण किया जा रहा है। यदि मशीन में कोई समस्या आती है तो उसे दूर कर बर्फ बनाने का प्रयास किया जाएगा। औली में विंटर गेम्स के दौरान बर्फ बनाने की दो मशीनें लगाई गई थीं लेकिन इन मशीनों से कभी भी बर्फ नहीं बनाई गई। शुरुआत में सही तापमान मिलने पर कुछ जगह पर हल्की बर्फ बनी थी लेकिन पिछले कई वर्षों से यह मशीनें बंद पड़ी हैं। अब इस सर्दी में इन मशीनों को चलाने के लिए गढ़वाल मंडल विकास निगम की ओर से प्रयास किए जा रहे हैं। निगम के तकनीशियन दीपक डिमरी ने बताया कि यह मशीनें वर्षों से बंद पड़ी हैं।

लोहाघाट में निर्माण कार्य के दौरान हादसा, दूसरी मंजिल से गिरा मजदूर



चंपावत। उत्तराखंड के चंपावत जनपद के लोहाघाट में निर्माण कार्य के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। निर्माणाधीन भवन की दूसरी मंजिल से एक मजदूर नीचे गिर गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, मजदूर भवन में निर्माण कार्य कर रहा था। इसी दौरान वह अचानक दूसरी मंजिल से नीचे गिर गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। हादसे में मजदूर को चोटें आने की सूचना है।

निर्माण कार्य के दौरान हुए इस हादसे ने एक बार फिर श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। निर्माण स्थलों पर सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता और उनका उपयोग मजदूरों की जान बचाने के लिए बेहद जरूरी है। फिलहाल मजदूर की पहचान, उसकी चोटों की गंभीरता और हादसे के कारणों को लेकर विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है।



बदरीनाथ धाम में हल्की बर्फबारी, बढ़ी ठंड

गोपेश्वर। बदरीनाथ धाम में सोमवार को अचानक मौसम बदला और हल्की बर्फबारी हुई। इससे पूरे क्षेत्र में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। वहीं बर्फ से धाम के चारों तरफ की चोटियां बर्फ से सफेद हो गई हैं। बदरीनाथ धाम में लगातार ठंड बढ़ती जा रही है। पिछले कुछ दिनों से धाम में बार–बार मौसम खराब हो रहा है। धाम के कपाट बंद होने में दो सप्ताह का समय शेष है। ऐसे में प्रशासन की ओर से धाम में ठंड से बचाव के लिए अलाव की व्यवस्था की गई है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ होंगी खेल प्रतियोगिताएं

थत्यूड़ (टिहरी)। जौनपुर महोत्सव का आयोजन इस वर्ष 11–13 नवंबर तक राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान में किया जाएगा। महोत्सव में स्थानीय प्रतिभाओं को मंच देने के साथ क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। जौनपुर महोत्सव समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र राणा ने बताया कि महोत्सव के दौरान रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जबकि दिन के समय विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं होंगी। जौनपुर महोत्सव में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को आमंत्रित करने के लिए क्षेत्रीय विधायक प्रीतम सिंह पंवार, दायित्वधारी गीता रावत और भाजयुमो के प्रदेश महामंत्री मुलायम सिंह रावत के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल देहरादून स्थित मुख्यमंत्री आवास पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर उन्हें महोत्सव में शामिल होने का आमंत्रण पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री ने 12 नवंबर को महोत्सव में पहुंचने का आश्वासन दिया।

देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी की कार दुर्घटनाग्रस्त

टिहरी गढ़वाल। उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले से बड़ी खबर सामने आई है। देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र के विधायक विनोद कंडारी का वाहन सोमवार सुबह बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में विधायक को हल्की चोटें आई हैं। गनीमत रही कि दुर्घटना में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, विधायक विनोद कंडारी सोमवार सुबह पौड़ी जिले के श्रीनगर से टिहरी जिले के कीर्तिनगर की ओर अपने वाहन से जा रहे थे। इसी दौरान बदरीनाथ हाईवे पर उफल्डा के पास कीर्तिनगर पुल के नजदीक सामने से गलत दिशा में आ रहे एक अन्य वाहन ने उनकी कार को टक्कर मार दी।



दोनों वाहनों के बीच टक्कर इतनी जोरदार थी कि विधायक का वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में विनोद कंडारी को हल्की चोटें आई हैं। घटना के बाद आसपास के लोगों में अफरा–तफरी मच गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। विधायक के परिचितों और समर्थकों ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

फिलहाल, उपलब्ध जानकारी के अनुसार विधायक को हल्की चोटें आई हैं और बड़ा हादसा टल गया। दुर्घटना के कारणों और अन्य विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

संक्षिप्त समाचार

फर्जी बैनामे से जमीन हड़पने का आरोप, चार भाइयों पर प्राथमिकी

विकासनगर। सहसपुर कोतवाली क्षेत्र के शंकरपुर हुकूमतपुर निवासी नाजिम हसन, वाजिद हसन, खालिद हसन और साजिद के खिलाफ एसएसपी के आदेश पर फर्जी पहचान के सहारे जमीन का बैनामा कराने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। चारों आरोपी सगे भाई हैं। आरोप है कि उन्होंने पुश्तैनी जमीन हड़पने के लिए साजिश रची।कोतवाली प्रभारी मनोज नौटियाल के अनुसार, शंकरपुर हुकूमतपुर निवासी सद्दाम हुसैन ने शिकायत देकर आरोप लगाया कि उनकी पैतृक जमीन को फर्जी दस्तावेजों के जरिये बेच दिया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार, वह जमीन के वास्तविक और वैध वारिस हैं और राजस्व अभिलेखों में उनका नाम विधिवत दर्ज है।तहरीर के मुताबिक, चारों आरोपी सगे भाई हैं। पिता की मृत्यु के बाद राजस्व अभिलेखों में केवल नाजिम, वाजिद और खालिद के नाम दर्ज हुए, जबकि साजिद का नाम दर्ज नहीं हो सका था। आरोप है कि तीनों भाइयों ने आपसी सहमति से सच्चाई छिपाकर जमीन बेचने की योजना बनाई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि वर्ष 2009 में चारों भाइयों ने साजिश रचकर एक पंजीकृत बैनामा कराया। उसमें साजिद को सद्दाम हुसैन उर्फ साजिद के रूप में दर्शाया गया, जबकि साजिद और सद्दाम दो अलग–अलग व्यक्ति हैं। आरोप है कि जानबूझकर पहचान जोड़कर असली व्यक्ति की पहचान छिपाई गई और बैनामे को वैध दिखाने का प्रयास किया गया। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की निष्पक्ष जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हारी सीजन में विशेष चौकसी बरतें कोतवाली–थाना प्रभारी

नई टिहरी। दीपावली के त्योहार को देखते हुए सभी कोतवाली–थाना प्रभारियों को चौकसी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। एसएसपी श्वेता चौबे ने पुलिस को जिले में शांति, कानून और यातायात व्यवस्था और भाईचारा बनाए रखने के लिए व्यापारियों, टैक्सी यूनियन और नगर क्षेत्र के लोगों के साथ बैठक करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस को चौबीसों घंटे अलर्ट रहने को कहा गया है।व्यापारियों, टैक्सी यूनियन और स्थानीय लोगों के साथ बैठक करने के निर्देशों के तहत पुलिस क्षेत्राधिकारी चंद्रमोहन सिंह, मुख्य अग्निशमन अधिकारी संजीवा कुमार और प्रभारी निरीक्षक ऐश्वर्यपाल ने व्यापार मंडल और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है। पुलिस ने पटाखा व्यापारियों से विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है। पुलिस बल को अग्नि सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, यातायात प्रबंधन और बाजार की व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। थत्यूड़ थानाध्यक्ष महावीर सिंह रावत ने पुलिस थाने में व्यापार मंडल, टैक्सी यूनियन और स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर त्योहार में शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की गई है।

राजाजी टाइगर रिजर्व में बढ़ेगा बाघों का कुनबा

ऋषिकेश। राजाजी टाइगर रिजर्व में अगले वर्ष जनवरी माह में बाघों का कुनबा बढ़ेगा। पार्क प्रशासन बाघ शिफ्टिंग योजना के दूसरे चरण के तहत कार्बेट नेशनल पार्क से यहां पांच और बाघ शिफ्ट करने जा रहा है। विभाग की कोशिश है कि जनवरी के पहले पखवाड़े तक नए बाघों को लाने की प्रक्रिया पूरी कर ली जाए। इसके लिए राजाजी के साथ देहरादून, रायवाला और हरिद्वार वन प्रभाग के कर्मचारियों को भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पहले चरण के तहत वर्ष 2020 से 2025 तक यहां पांच बाघ शिफ्ट किए गए थे। पिछले कई वर्षों से राजाजी टाइगर रिजर्व के पश्चिमी क्षेत्र में बाघों की स्थायी आबादी विकसित करने के प्रयास किए जा रहे थे। इसी उद्देश्य से राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के मार्गदर्शन में बाघ पुनर्वास परियोजना शुरू की गई थी। इसी वर्ष जून माह में पार्क प्रशासन को कार्बेट नेशनल पार्क से पांच और बाघों को लाने के लिए राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) से सहमति मिली थी।इनमें तीन बाघिन और दो बाघ शामिल हैं। पार्क प्रशासन ने इसके लिए एनटीसीए के समक्ष प्रस्तुतीकरण दिया था।

नैणी देवी की देवरा यात्रा सिलकोटी गांव पहुंची



नारायणबगड़। जेठूलाबार डुंग्री नैणी देवी की देवरा यात्रा सोमवार को सीरी और सराऊ गांव का भ्रमण करते हुए अपने दूसरे पड़ाव सिलकोटी गांव पहुंच गई। मंगलवार को यह यात्रा रैंगांव के प्रवास पर रहेगी। सोमवार सुबह सीरी गांव में ब्रह्मगुरु हरिबल्लभ सती और पुजारी प्रकाश चंद्र सती ने नैणी देवी की पूजा अर्चना की। देवी ने गांव का भ्रमण कर ध्याणियों को आशीष वचन दिए। ध्याणियों ने देवी को शृंगार सामग्री, चुनरियां और मौसमी फल–फूल भेंट किए। इस दौरान जागरों और मांगल गीतों से माहौल भक्तिमय बना रहा। सीरी से विदा होने के बाद यात्रा सराऊ गांव पहुंची, जहां ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया। सराऊ से देवरा यात्रा देर शाम रात्रिप्रवास के लिए सिलकोटी गांव पहुंची। यहां महिलाओं ने मांगल गीतों से आगवानी की। देवरा यात्रा समिति के अध्यक्ष अनिल उनियाल ने बताया कि मंगलवार को यात्रा रैंगांव में रहेगी।

कपाट बंद होने से पहले उत्साह, श्रद्धालुओं की संख्या 22 लाख के पार

देहरादून। बदरीनाथ धाम की यात्रा अंतिम चरण में चल रही है। लेकिन तीर्थ यात्रियों का उत्साह बढ़ता जा रहा है। धाम में हर दिन 10 हजार से अधिक यात्री दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। अब तक धाम में 22 लाख से अधिक श्रद्धालु बदरीविशाल के दर्शन कर चुके हैं। वहीं अब बदरीनाथ मंदिर के कपाट बंद होने में मात्र 15 दिन का समय शेष है।

बदरीनाथ धाम में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पिछले दिनों धाम की चोटियों पर हुई बर्फबारी के बाद सुबह–शाम ठंडी हावा चल रही है। लेकिन धाम में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा लगातार तेजी से बढ़ता जा रहा है। शनिवार को धाम में 10 हजार से अधिक यात्री दर्शन करने के लिए पहुंचे, वहीं रविवार को भी धाम में भारी भीड़ जुटी रही।

22 को 523 बूथों पर पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक

नई टिहरी। जिले में 22 नवंबर को पल्स पोलियो अभियान संचालित किया जाएगा। इसके तहत पांच वर्ष तक की आयु के 46,953 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के सफल संचालन के लिए जिले में 523 बूथ बनाए गए हैं, जहां 1992 कार्मिकों की तैनाती की गई है।

कलेक्ट्रेट में सीडीओ वरुणा अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक में अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई। बताया गया कि जिले के पर्वतीय क्षेत्रों में 473 और ढालवाला क्षेत्र में 50 बूथ बनाए गए हैं। इनकी निगरानी के लिए 105 सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं। वहीं, घर–घर जाकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के लिए पर्वतीय क्षेत्रों में 946 और ढालवाला क्षेत्र में 17 टीमें गठित की गई हैं। अभियान के तहत 22 नवंबर को सुबह नौ से अपराह्न चार बजे तक बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। इसके बाद पर्वतीय क्षेत्रों में 23 और 24 नवंबर को, जबकि ढालवाला क्षेत्र में 29 नवंबर तक घर–घर भ्रमण कर बूथों पर छूटे बच्चों को खुराक पिलाई जाएगी। सीडीओ ने निर्देश दिए कि अभियान में कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक पीने से वंचित न रहे। बैठक में सीएमओ डॉ. राम प्रकाश, एसीएमओ डॉ. निधि रावत, सीएमएस नरेंद्रनगर डॉ. अमित राय, डीपीआरओ एमएम खान, डीपीओ संजय गौरव आदि मौजूद रहे।

दिवाली पर धामी सरकार की सरकारी कर्मचारियों को बड़ी सौगात



देहरादून। दीपावली के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी है। उत्तराखंड सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए राज्य के पात्र कर्मचारियों को 30 दिन का उत्पादकता असंबद्ध (तदर्थ) बोनस देने की मंजूरी प्रदान कर दी है। इस फैसले से राज्य सरकार के हजारों कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। पात्र कर्मचारियों को अधिकतम 6,908 रुपये तक बोनस दिया जाएगा।वित्त विभाग की ओर से जारी शासनादेश के अनुसार, राज्य सरकार के समूह 'ग' और 'घ' के कर्मचारियों के साथ ही समूह 'ख' के उन अराजपत्रित कर्मचारियों को भी बोनस का लाभ मिलेगा, जिनका ग्रेड पे 4,800 रुपये तक है। पुनरीक्षित वेतनमान में यह वेतन स्तर 47,600 से 1,51,100 रुपये (लेवल–8) है। हालांकि, उत्पादकता से जुड़ी किसी अन्य बोनस योजना का लाभ लेने वाले कर्मचारी इसके पात्र नहीं होंगे। शासनादेश के मुताबिक, पात्र कर्मचारियों को 30 दिन की परिलब्धियों के आधार पर बोनस दिया जाएगा। इसके लिए मासिक परिलब्धियों की अधिकतम गणना सीमा 7,000 रुपये निर्धारित की गई है। इस आधार पर कर्मचारियों को अधिकतम लगभग 6,908 रुपये का भुगतान किया जाएगा।

पुनर्निर्माण के बाद नए मंदिर में विराजे खड़कनाथ देवता

लंबगांव (टिहरी)। प्रतापनगर की भदूरा पट्टी के पोखरी गांव में ग्रामीणों के आराध्य खड़कनाथ देवता के नवनिर्मित मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा विधिवत पूजा–अर्चना और भंडारे के साथ संपन्न हुई। करीब 20 साल बाद ग्रामीणों के सामूहिक प्रयासों और क्षेत्रीय लोगों के सहयोग से मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया।

प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर मंदिर में रात्रि जागरण आयोजित किया गया। इसके बाद मंदिर का शुद्धीकरण कर धार्मिक अनुष्ठानों के साथ मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराई गई। समापन पर भंडारे का आयोजन हुआ जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में शामिल प्रतापनगर के पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रदीप चंद रमोला ने कहा कि खड़कनाथ देवता का मंदिर क्षेत्रवासियों की धार्मिक आस्था और विश्वास का प्रमुख केंद्र है। ग्रामीणों ने एकजुट होकर मंदिर का पुनर्निर्माण कराया है।

डुमक के ग्रामीण बाजार तक नहीं पहुंचा पा रहे अनाज



गोपेश्वर। सड़क सुविधा के अभाव और गांव का पैदल रास्ता बदहाल होने से डुमक गांव के ग्रामीण आलू, राजमा और चौलाई सहित अन्य कृषि उत्पादों को बाजार तक नहीं पहुंचा पा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बीते वर्षों तक वे अपनी पीठ पर आलू व अन्य उत्पादों को लादकर बाजार तक पहुंचाते थे। मगर इस बार बरसात से पैदल रास्ता भी बदहाल है। इससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। निजमुला घाटी के पाणा और ईराणी गांव को जोड़ने वाली सड़क भी कई स्थानों पर बदहाल है। ग्रामीण वाहन से आवाजाही करने के बजाय पैदल चलना सुरक्षित समझ रहे हैं। यही स्थिति कुजौं–मेकोट और कौंज–पोथनी गांवों को जोड़ने वाली सड़कों की भी बनी है। ग्रामीण क्षतिग्रस्त सड़कों पर जान जोखिम में डालकर आवाजाही कर रहे हैं। डुमक विकास संघर्ष समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह भंडारी, ग्राम प्रधान यमुना देवी और राजवीर नेगी ने बताया कि गांव में राजमा, आलू और चौलाई का अच्छा उत्पादन होता है लेकिन सड़क सुविधा न होने और बरसात में पैदल रास्ता खराब होने से कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुंचाना मुश्किल हो गया है।

कांग्रेस हाईकमान गंभीर, दिवाली के बाद उत्तराखंड दौरे पर आएंगे खरगे



देहरादून। उत्तराखंड में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस हाईकमान ने प्रदेश नेताओं को भाजपा सरकार की गलत नीतियों के साथ जन मुद्दों को लेकर एक माह का एक्शन प्लान बनाने के निर्देश दिए। इसके अलावा दीपावली के बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी व राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी उत्तराखंड के दौरे पर आएंगे। सोमवार को नई दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने प्रदेश नेताओं के साथ बैठक कर आगामी रणनीति पर चर्चा की। पार्टी हाईकमान ने राज्य में चुनावी कार्यक्रमों की समीक्षा करने के साथ एक माह का एक्शन प्लान बनाने के निर्देश दिए। हाईकमान ने कहा, 2027 में कांग्रेस को सत्ता में लाना है। इसके लिए पार्टी नेताओं को एकजुटता से काम करना है। प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने कहा, पिछले लगभग 10 वर्षों में प्रदेश सरकार कानून व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा, बेरोजगारी और पलायन जैसे हर प्रमुख मुद्दे पर पूरी तरह विफल रही है। सरकार की नाकामियों से जनता अब परिवर्तन का मन बना चुकी है। कांग्रेस पार्टी उत्तराखंड की जनता के अधिकारों और सम्मान की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ रही है। हमारा संकल्प स्पष्ट है कि प्रदेश को भाजपा की विफल नीतियों से मुक्ति दिलाकर रहेंगे।

मंत्री सुबोध उनियाल का बड़ा बयान, बोले– इस्तीफा दे दूंगा, माफी नहीं मांगूंगा

देहरादून। दलेर मेहंदी विवाद को लेकर मंत्री सुबोध उनियाल बयान को लेकर एक बार फिर चर्चा में है। एक कार्यक्रम के दौरान मंत्री के बयान का वीडियो वायरल हो रहा है। उसमें उन्होंने मंच से कहा ' मैं इस्तीफा देना पसंद करूंगा, माफी नहीं मांगूंगा। जीवन में आत्मसम्मान बहुत बड़ी चीज है।' बता दें कि बीते दिनों मंत्री का बयान वायरल हुआ था। जिसमें उन्होंने कहा था कि मुझे लगा दलेर मेहंदी नशे में हैं। वो नशा किस चीज का है, ये मैं नहीं जानता। इतने बड़े कलाकार का मेडिकल नहीं करा सकता। बाद में मुझे बताया गया कि उनकी तबीयत खराब थी। यदि उनकी तबीयत ठीक नहीं थी तो कार्यक्रम में मौजूद लोगों को बता देते या कार्यक्रम में नहीं आना चाहिए था।कार्यक्रम में आने के लिए 35 लाख रुपये लिए और होटल में ठहरने की अलग से व्यवस्था कराई गई। मेरा मकसद संगीत को बदनाम करना नहीं था लेकिन जब 45 मिनट तक परफॉर्मेंस नहीं कर पाए तो जनप्रतिनिधि होने के नाते मैंने उन्हें टोका। जबकि मेरी ऐसी भावना नहीं थी। कलाकार का सम्मान होना चाहिए लेकिन कलाकार को अपने सम्मान के प्रति ध्यान देना चाहिए।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

विराट कोहली की तीन साल बाद दिल्ली में वापसी टली!



आउटफील्ड के कारण छिन सकती है भारत-श्रीलंका के बीच पहले वनडे की मेजबानी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार विराट कोहली को अपने घरेलू मैदान दिल्ली में खेलते हुए देखने का इंतजार कर रहे फैंस को निराशा हाथ लग सकती है। भारत और श्रीलंका के बीच 13 दिसंबर को होने वाले वनडे सीरीज के पहले मुकाबले की मेजबानी दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम से छिन सकती है। हालांकि, बीसीसीआई की ओर से वेन्यू बदलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। विराट कोहली की दिल्ली वापसी का इंतजार कर रहे थे फैंस - विराट कोहली के लिए दिल्ली का अरुण जेटली स्टेडियम बेहद खास है। इसी मैदान और दिल्ली के घरेलू क्रिकेट से उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी। साल 2019 में दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ ने उनके योगदान को सम्मान देते हुए स्टेडियम के एक प्रमुख स्टैंड का नाम 'विराट कोहली पवेलियन' रखा था। ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ दिल्ली में होने वाला वनडे मुकाबला स्थानीय फैंस के लिए कोहली को अपने घरेलू मैदान पर देखने का शानदार अवसर हो सकता था।

निर्माण कार्य के कारण बदला जा सकता है वेन्यू

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में इस समय आउटफील्ड को आधुनिक बनाने का काम चल रहा है। डीडीसीए ने मैदान में सैंड बेस्ड ड्रेनेज सिस्टम विकसित करने का फैसला किया है। इस तकनीक से बारिश के बाद मैदान से पानी तेजी से निकल सकेगा और मैच दोबारा शुरू करने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इस पूरे काम को पूरा होने में करीब चार महीने लगेंगे और स्टेडियम आईपीएल 2027 से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएगा।

11 अक्टूबर 2023 खेला गया था अरुण जेटली स्टेडियम में आखिरी वनडे

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आखिरी वनडे इंटरनेशनल मुकाबला 11 अक्टूबर 2023 को खेला गया था। यह आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 का मुकाबला था, जिसमें भारत ने अफगानिस्तान को आठ विकेट से हराया था। फिलहाल स्टेडियम में निर्माण कार्य के चलते दिल्ली की घरेलू टीम को भी अपने रणजी ट्रॉफी मुकाबले पालम स्थित एयरफोर्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड में खेलने पड़ रहे हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज की तैयारी में जुटे विराट

दूसरी ओर विराट कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए तैयारी कर रहे हैं। टी20 सीरीज खत्म होने के बाद वह न्यूजीलैंड पहुंच चुके हैं और नेट्स में अभ्यास शुरू कर दिया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे 4 नवंबर को खेला जाएगा। टी20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने के बाद कोहली का फोकस अब मुख्य रूप से वनडे और टेस्ट क्रिकेट पर है। वेन्यू बदलने की खबरों के बीच अहमदाबाद में पहला वनडे आयोजित किए जाने की अटकलें भी सामने आई थीं। हालांकि, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने दिल्ली से मुकाबला शिफ्ट होने की खबरों पर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि फिलहाल मैच का आयोजन दिल्ली में ही निर्धारित है। ऐसे में मुकाबले के वेन्यू को लेकर अंतिम तस्वीर आधिकारिक फैसले के बाद ही साफ होगी।

भारत बनाम न्यूजीलैंड... गंभीर बोले-टी-20 टीम के प्रदर्शन पर गर्व

नई दील्ली। भारत ने न्यूजीलैंड को 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 3-2 से हराया। सीरीज जीतने के बाद भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा, मेरी डिक्शनरी और डायरेक्टरी में डर नाम का कोई शब्द नहीं है। गंभीर ने पहले मैच का उदाहरण देते हुए खिलाड़ियों की तारीफ की। उन्होंने बताया कि टीम ने 15 घंटे की लंबी फ्लाइट के बाद सिर्फ एक अभ्यास सत्र किया था, इसके बावजूद मुकाबला जीत लिया। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि गेंदबाजी और फील्डिंग बेहतर हो सकती थी। वहीं न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स को सीरीज का बेस्ट खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने पांच मैचों में 341 रन बनाए।

ध्यान अब वनडे सीरीज पर: अय्यर - अय्यर के मुताबिक, न्यूजीलैंड में खेलने के दौरान खिलाड़ियों को अलग तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने आसमान में साफ रोशनी और मैदान पर अंधेरे जैसी स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसी परिस्थितियां भारत में आमतौर पर देखने को नहीं मिलतीं। कप्तान ने यह भी कहा कि टीम इन कमियों पर चर्चा करेगी। हालांकि, उनका ध्यान अब वनडे सीरीज पर है और खिलाड़ी अच्छे मूड में हैं।

ऋषभ पंत की चोट पर गंभीर के पास अपडेट नहीं - प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर से ऋषभ पंत की उपलब्धता को लेकर भी सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि फिलहाल उनके पास पंत की चोट को लेकर कोई पक्की जानकारी नहीं है।



थकान के बावजूद जीत हासिल की- गंभीर ने कहा, विदेशी परिस्थितियों में खेलते समय टीम को मुश्किल हालात से घबराना नहीं चाहिए। न्यूजीलैंड पहुंचने के बाद भारतीय खिलाड़ियों को लंबी यात्रा और कम अभ्यास का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद पहले मैच में जीत हासिल करना आसान नहीं था। गंभीर ने इसी प्रदर्शन को टीम की मानसिक मजबूती का उदाहरण बताया। सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबलों में भारत ने लगातार जीत दर्ज की। इसके बाद न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए आखिरी दोनों मैच अपने नाम किए।

सीरीज का नतीजा उलटा भी हो सकता था- सैंटनर: न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने माना कि सीरीज काफी करीबी रही। उनके मुताबिक, शुरुआती दो मुकाबलों में कुछ ऐसे मौके आए, जिन्हें न्यूजीलैंड भुना सकता था। अगर टीम उन मौकों पर बेहतर प्रदर्शन करती, तो सीरीज का नतीजा भारत के बजाय न्यूजीलैंड के पक्ष में भी हो सकता था। सैंटनर ने गेंदबाजी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आखिरी दो मैचों में गेंदबाजों ने परिस्थितियों के हिसाब से अपनी रणनीति बदली। तेज गेंदबाजों ने यॉर्कर, वाइड गेंदों और सही लेंथ का इस्तेमाल किया।

मेसी का शानदार खेल, न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन को हराया



फॉक्सबोरो, एजेंसी। लियोनेल मेसी ने एक बेहतरीन असिस्ट और मैच के आखिर में किए गए गोल की मदद से इंटर मियामी को न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन के खिलाफ 2-1 से जीत दिलाई। इस जीत के साथ ही टीम ने अगले साल होने वाले कॉन्काकैफ चैंपियंस कप में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस जीत से मियामी एमएलएस कप प्लेऑफ से पहले ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में नंबर 2 सीड की स्थिति में पहुंच गई है। इस सीजन में मेसी के नाम अब 26 गोल और 16 असिस्ट हो गए हैं। इसके साथ ही वह लगातार तीसरी बार एमएलएस एमवीपी अवार्ड और लगातार दूसरी बार 'गोल्डन बूट' जीतने की रेस में सबसे आगे हो गए हैं।

पहले 45 मिनट तक दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला रहा और हाफ टाइम तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। इस दौरान इंटर मियामी को 28वें मिनट में एक अच्छा मौका मिला, जब मेक्सिकन खिलाड़ी बर्टेरामे ने बॉक्स के बाईं ओर से बाएं पैर से शॉट मारा, जिसे न्यू इंग्लैंड के गोलकीपर मैट टर्नर ने बचा लिया। दूसरे हाफ में, 53वें मिनट में डेनियल गाजदाग के गोल की बदौलत मेजबान टीम (न्यू इंग्लैंड) ने खाता खोला।

83वें मिनट में मियामी ने पासा पूरी तरह से पलटा

69वें मिनट में इंटर मियामी ने शानदार टीम वर्क दिखाते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। सेगोविया ने बॉक्स के अंदर एक 'लॉब' पास दिया, जिस पर मेसी ने हेडर से गेंद को बर्टेरामे की तरफ बढ़ाया। बर्टेरामे ने बॉक्स के बीच से एक जोरदार हेडर लगाकर गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। यह इस रेगुलर सीजन में बर्टेरामे का 10वां गोल था, जबकि मेसी का यह इस लीग सीजन का 16वां असिस्ट रहा। 83वें मिनट में इंटर मियामी ने मैच का पासा पूरी तरह से पलटा। एक बेहतरीन पासिंग सीक्वेंस के बाद मेसी ने निर्णायक गोल किया। सुआरेज ने बॉक्स के बाहर बीच में मेसी को गेंद दी, जहां अर्जेंटीना के इस स्टार खिलाड़ी ने तीन डिफेंडरों को छकाया। इसके बाद सेगोविया के साथ मिलकर वह बॉक्स के अंदर पहुंचे और एक सटीक शॉट के जरिए गेंद को गोल पोस्ट के निचले दाएं कोने में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ मेसी के कुल गोल की संख्या 26 हो गई है, जिससे वह एमएलएस 2026 गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे निकल गए हैं। वहीं, इस रेगुलर सीजन में सेगोविया के असिस्ट की संख्या 12 हो गई है। इसके बाद 1-2 की स्कोरलाइन अंतिम सीटी बजने तक कायम रहा, जिससे इंटर मियामी ने अपने घर से बाहर खेलते हुए तीन अंक हासिल किए।



एंटोनेली बने सबसे कम उम्र के एफ-1 चैंपियन

नई दिल्ली। किमी एंटोनेली नेइतिहास रचते हुए फॉर्मूला वन के सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। 20 वर्षीय मर्सिडीज ड्राइवर ने मैक्सिको सिटी ग्रांड प्रिक्स में मैक्स वर्स्टापेन और लुईस हैमिल्टन के बाद तीसरे स्थान पर रहकर यह उपलब्धि प्राप्त की।

किमी, जो फॉर्मूला वन रेसिंग में अपने दूसरे ही सीजन में हैं, ने सेबेस्टियन वेटेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो 2010 में अपनी चार ड्राइवर चैंपियनशिप में से पहली चैंपियनशिप जीतने के समय 23 साल और 133 दिन के थे। अपनी उपलब्धि की वास्तविकता को समझते हुए किमी अपने आँसू रोकने के लिए संघर्ष कर रहे थे।

टीम रेडियो पर, नव-ताजपोश विश्व चैंपियन पहले तो कुछ बोल नहीं पा रहे थे, लेकिन फिर उन्होंने मर्सिडीज को अपने सपने को साकार करने में मदद करने के लिए धन्यवाद दिया। 'हमने कर दिखाया! हमने कर दिखाया!' उसे हंसते-हंसते आंसुओं के साथ कहते हुए सुना गया। इसके बाद जो जश्न मनाया गया, वह इस अवसर के अनुरूप ही था।

पोडियम पर एंटोनेली अपनी भावनाओं को काबू में रखने की कोशिश कर रहे थे, तभी वर्स्टापेन और हैमिल्टन ने भी उनका साथ दिया और नव-प्रतिभाशाली चैंपियन को हवा में उठा लिया। यह एक यादगार दृश्य था: खेल के दो महानतम ड्राइवर फॉर्मूला वन चैंपियन की नई पीढ़ी के आगमन का जश्न मना रहे थे। मैं भविष्य में और अधिक मुकाबलों के लिए उत्सुक हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'यह तो बस शुरुआत है।' एंटोनेली के लिए, यह सात साल के कार्टिंग के शौकीन से लेकर मोटरस्पोर्ट के शिखर तक की एक उल्लेखनीय यात्रा की परिणति थी।

मर्सिडीज टीम के प्रमुख टोटो वोल्फ के लिए भी, 2025 सीज़न से पहले हैमिल्टन की जगह 18 वर्षीय खिलाड़ी को मौका देने के उनके महत्वपूर्ण जोखिम भरे फैसले की पुष्टि का क्षण था।

उनके बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक मोंज़ा में देखने को मिला, जहाँ उन्होंने ग्रिड पर 19वें स्थान से शुरुआत करने के बावजूद अपने घरेलू ग्रैंड प्रिक्स में जीत हासिल की।

सिंधू ने जीता हाइलो ओपन का खिताब



जर्मनी: भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने एक बार फिर अपने शानदार खेल से देश का नाम रोशन किया है। सिंधु ने जर्मनी में खेले गए हाइलो ओपन 2026 के महिला एकल फाइनल में डेनमार्क की लाइन केजर्सफेल्ट को सीधे गेमों में 21-12, 21-14 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ सिंधु ने मौजूदा सीजन का अपना दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीत लिया है।

पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहीं सिंधु - सिंधु का हाइलो ओपन में प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। उन्होंने फाइनल तक के सफर में एक भी गेम नहीं गंवाया। अपने अभियान की शुरुआत उन्होंने भारतीय खिलाड़ी प्रकृति भरत को हराकर की। इसके बाद फ्रांस की रोजी ओक्टाविया पंकासारी और जर्मनी की अमाली शुल्ज को मात देकर क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में उन्होंने भारत की ही अनमोल खरब को 21-13, 21-16 से हराकर फाइनल का टिकट हासिल किया।

फाइनल जीतकर बनीं चैंपियन

पीवी सिंधु ने फाइनल मुकाबले में शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने पहला गेम महज 17 मिनट में 21-12 से जीतकर डेनमार्क की खिलाड़ी पर दबाव बना दिया। इसके बाद दूसरे गेम में भी सिंधु ने अपनी लय बरकरार रखी और 21-14 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारतीय शटलर ने यह फाइनल केवल 39 मिनट में जीतकर शानदार अंदाज में खिताब पर कब्जा किया।

जापान ओपन के बाद अब हाइलो ओपन पर कब्जा

पीवी सिंधु के लिए यह साल खिताब के लिहाज से शानदार रहा है। उन्होंने जुलाई में जापान ओपन 2026 के फाइनल में जापान की तीन बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची को हराकर खिताब जीता था। अब हाइलो ओपन जीतकर उन्होंने इस सीजन का दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब अपने नाम कर लिया है।

विश्व टूर फाइनल्स की राह हुई मजबूत

हाइलो ओपन का खिताब जीतने के साथ ही सिंधू को 9200 रैंकिंग अंक मिले हैं। इससे साल के आखिर में होने वाले विश्व टूर फाइनल्स में जगह बनाने की उनकी उम्मीदों को मजबूती मिली है। दुनिया की आठवें नंबर की भारतीय खिलाड़ी के लिए यह जीत सीजन के लिहाज से काफी अहम मानी जा रही है। सिंधू के इस प्रदर्शन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह बड़े मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करने का दम रखती हैं।

चेक ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट... सेंथिलकुमार ने फाइनल में बनाई जगह

ब्रनो। भारत के वेलावन सेंथिलकुमार ने ब्रनो में चल रहे चेक ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। 35,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले इस पीएसए कॉपर-लेवल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में उन्होंने फ्रांस के खिलाड़ी और विश्व नंबर 32 ऑगस्ट डुसॉर्ड को हराया। सेंथिलकुमार ने सेमीफाइनल में फ्रांस के खिलाड़ी को 11-7, 12-10, 11-1 से मात दी। चौथे वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी अब फाइनल में स्कॉटलैंड के ग्रेग लोबन (जो शीर्ष वरीयता प्राप्त हैं और विश्व रैंकिंग में 31वें नंबर पर हैं) का सामना करेंगे। सेंथिलकुमार इस सीजन में अपना दूसरा खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। शीर्ष वरीयता प्राप्त लोबन ने फ्रांस के तौफिक मेखल्फी को 11-9, 11-5, 11-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश



किया। इससे पहले, सेंथिलकुमार ने अर्जेंटीना के जेरेमियास अजाना को 11-3, 11-8, 11-7 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। पहले गेम में भारतीय खिलाड़ी ने अर्जेंटीना के जेरेमियास अजाना को आसानी से 11-3 से हराया। इसके बाद, रैलियां तेज, कड़ी और रोमांचक हो गई थीं। सेंथिलकुमार ने कोर्ट के अगले हिस्से में बेहतरीन खेल दिखाते हुए बाकी गेम 11-8 और 11-7 से अपने नाम किया था। भारतीय खिलाड़ी ने क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना के विश्व नंबर 64 और आठवें वरीयता प्राप्त जेरेमियास अजाना को 11-3, 11-8, 11-7 से हराया था। इससे पहले, टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में उन्हें 'बाय' (सीधे अगले दौर में प्रवेश) मिला था, और दूसरे दौर में उन्होंने ब्राजील के डिएगो गोब्बी को 11-4, 11-7,